



माधुरी

हस्तलिपि पत्रिका

5,6,7 कक्षा

जे एम यू पी स्कूल चेरुपुष्पा



अक्षर ज्ञान सीखने वाले बच्चे अपनी कल्पना से शब्द जोड़ते हैं। छोटे शब्दों के साथ कविताओं और आख्यानोँ द्वारा किए गए डिजिटल पत्रिका बहुत लाभदायक है। बच्चों के मन से हिंदी भाषा की रचनाएं यह निरंतर बढ़ती रही।



श्री पी एन उणिकृष्णन
प्रधान अध्यापक

प्यारे फूल

रंग रंग है फूल हमारे
देखो यह कितने प्यारे
उपवन की शोभा बढ़ाई
मीठे मीठे सुगंध फैलाए
इसे देखो तो दिन बने प्यारे प्यारे
घर पर हो फूल तो घर दिखे सुंदर सुंदर
सब का मन भी खुशी से भर भर ।

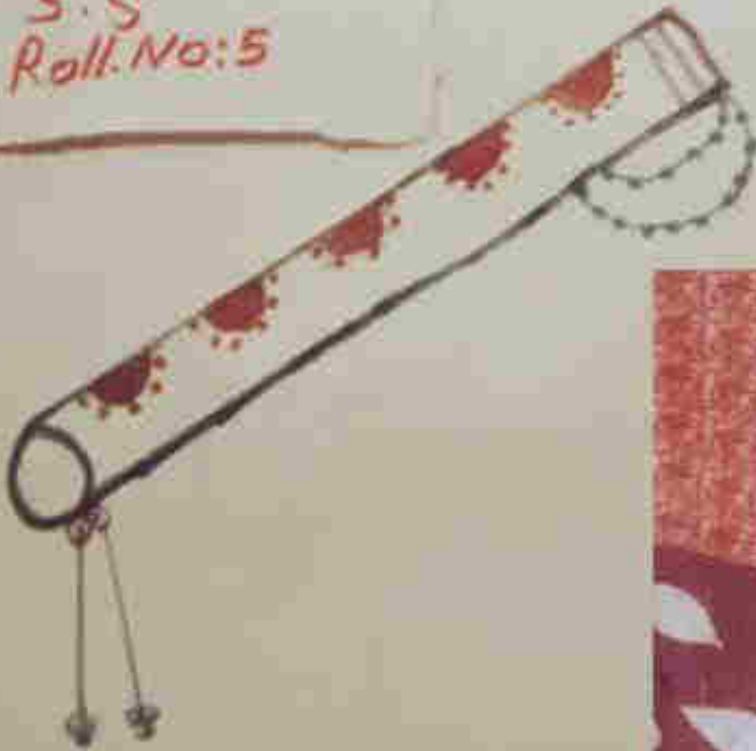
अनामिका
संतोष
7 B



बाँसुरी

मेरी बाँसुरी मीठी मीठी बाँसुरी
मेरी सुंदर बाँसुरी
बाँसुरी जादुई मेरी बाँसुरी
मेरी प्यारी बाँसुरी

आदित्य डम
5.5
Roll.No:5



बिल्ली

सुंदर सुंदर बिल्ली हैं
छोटा छोट बिल्ली हैं
म्याऊ म्याऊ बिल्ली हैं
बिल्ली मुझे प्यारी हैं



निवेदशा सि के
5-8

मेरी पतंग

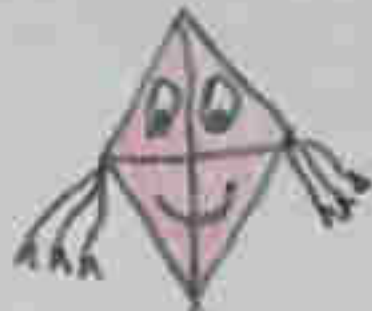
मेरी पतंग

मेरी प्रिय पतंग

मेरी लाल रंग की पतंग

आसमान में उड़ती पतंग

यह मेरी छोटी पतंग है।



वेदपुत्र विक्रम
5-E



शिक्षक



प्यारी प्यारी मेरा शिक्षक

सारी दुनिया आदर शिक्षक

जीवन में जो राशनी देते

माता पिता की तरह दिखाते

सही मार्ग पर चलना सिखाते



kailasnath
5

साइकिल

मेरी अच्छी साइकिल

अपनी साइकिल

कितना अच्छा साइकिल

मेरी अपनी साइकिल

सड़क के आसपास

दृश्य सब कुछ दिखाएगा

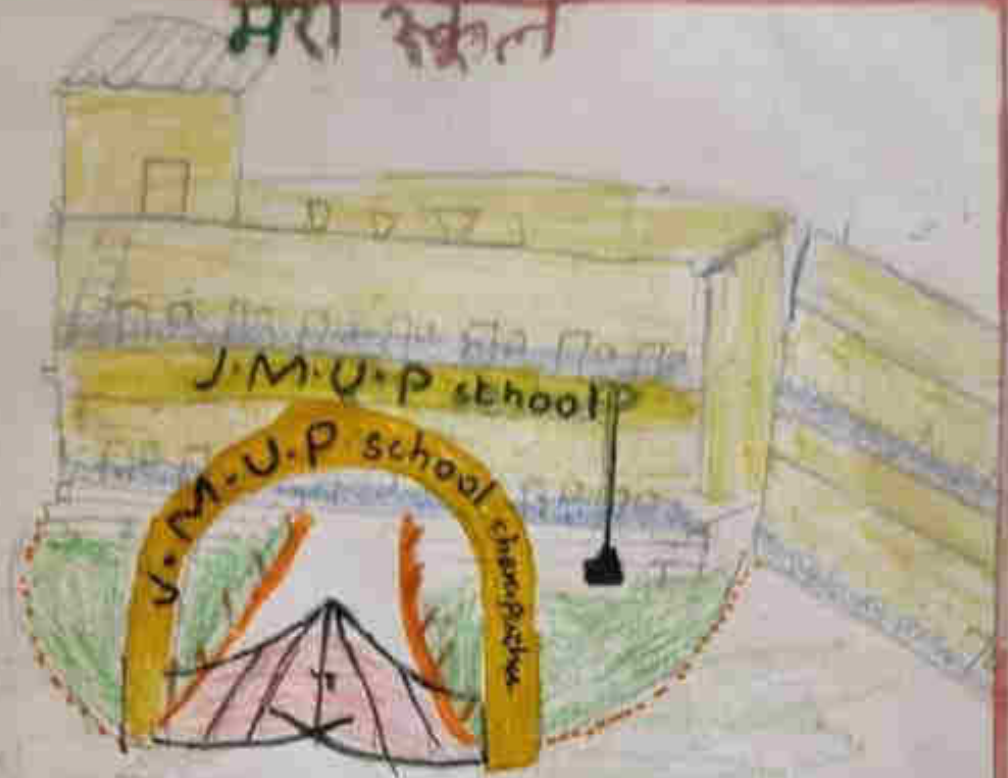
मेरी अपनी साइकिल



आर्जुनराज राव

१५

मेरा स्कूल



मेरा स्कूल का नाम जे एम यू पी स्कूल।

मेरा स्कूल में पार्क है।

मेरा स्कूल एक बड़ा बंगला है।

मेरा स्कूल एक बहुत सुंदर है।

मेरा प्यारा स्कूल है।

अनिरुद्ध अनीष :

5 ई



नितली

नितली राणी नितली राणी
रंगबिरंगी नितली राणी
रंगबिरंगी पंख कुम्हुरे कुम्हुरे
मेरी प्यारी नितली राणी



फातिमन अरफिया

5. ए



द्विरण

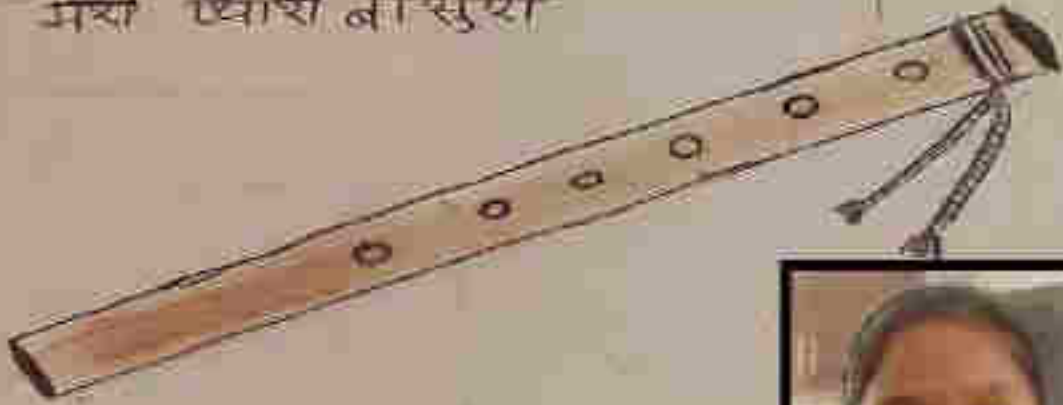
प्याश प्याश द्विरण
सुदर सुदर द्विरण
छोटा छोटा द्विरण
लंगल में रहना द्विरण
पीला रंग है द्विरण
प्याश प्याश द्विरण



शिवलज्जा श्री रमा
5-बी

मेरी बाँसुरी

मेरी बाँसुरी
सुंदर बाँसुरी
जाकूई बाँसुरी
मीठे आवाज
मेरी प्यारी बाँसुरी



सुमन मरिया
5 वी

घर

प्यारी प्यारी मेरा घर

मेरा घर तक छोटा बर

कितनी सुन्दर मेरा घर

कितनी प्यारी छोटा घर



विनायक
पंच
पाँच. डी

बैंगन

मेरी प्यारी सब्जी है ।
बैंगन मेरी सब्जी है ।
बैंगन रंग बैंगनी है ।
बैंगन मेरी मित्र है ।

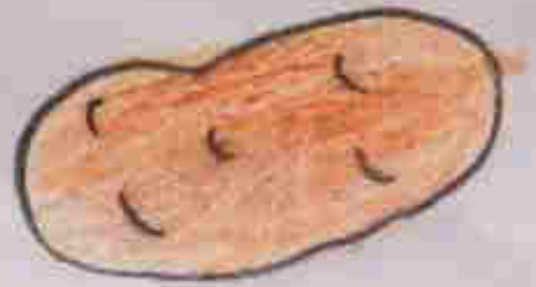


आननरिष ली. एन

5.E



आलू



गोल गोल सा दिखता है

मुसकी आलू कहता है

हर सब्जी का स्वाद बढ़ाना

लोग चाव से खाते हैं।

आनंदीया

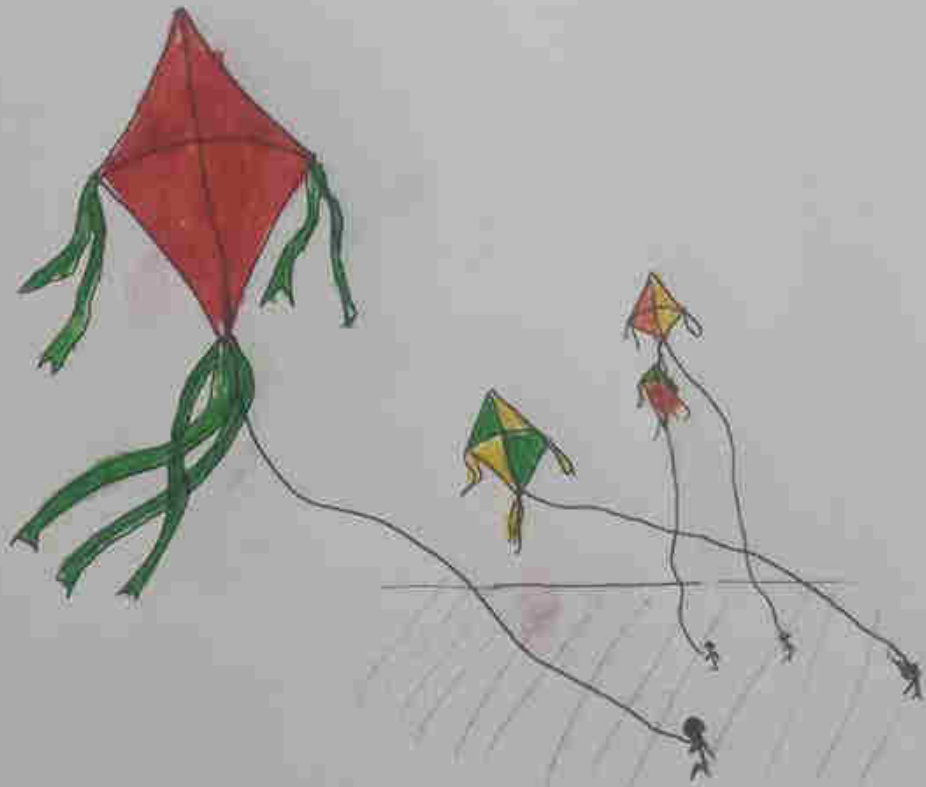


5-A

पतंग



मेरी ल्याही पतंग
रंग बिरंगी पतंग
सुंदर सुंदर पतंग
कितनी ल्याही पतंग



Aranya & Krishna
5B

9

छोटा सा कछुआ

में एक छोटा सा कछुआ है

में बहुत धीमी गति से रेंगता है

में अपनी घर लेकर चलता है

जहाँ भी मैं जाता है।

जहाँ मैं शक जाता है



संजेल जीन्टु

5 सी

मेरी अम्मा



मेरा बहुत प्यारी प्यारी

अच्छी-अच्छी आमा मेरी

मीठी-मीठी रील सुनाने

किलनी प्यारी अम्मा मेरी-



Shreshth -
IB Roll. 2

मेश पीपल

मेश पीपल पेड़ है

मेश सुंदर पीपल है

इस पीपल पेड़ है

मेश व्यास पीपल है



~~आदिश्री~~
आदिश्री प्रमोद
पाँच सी



संतरा

मेरा प्यारा संतरा है

अच्छा स्वाद्विष्ट संतरा

हरा नारंगी संतरा है

मेरा सुंदर संतरा है



देवदरश के वी

58

तितली

फूलकी रानी

फूलकी रानी

सुंदर सुंदर फूलकी रानी

यह छोटा छोटा फूलकी रानी

बहुत सुंदर फूलकी रानी



तितली



गोविंदा

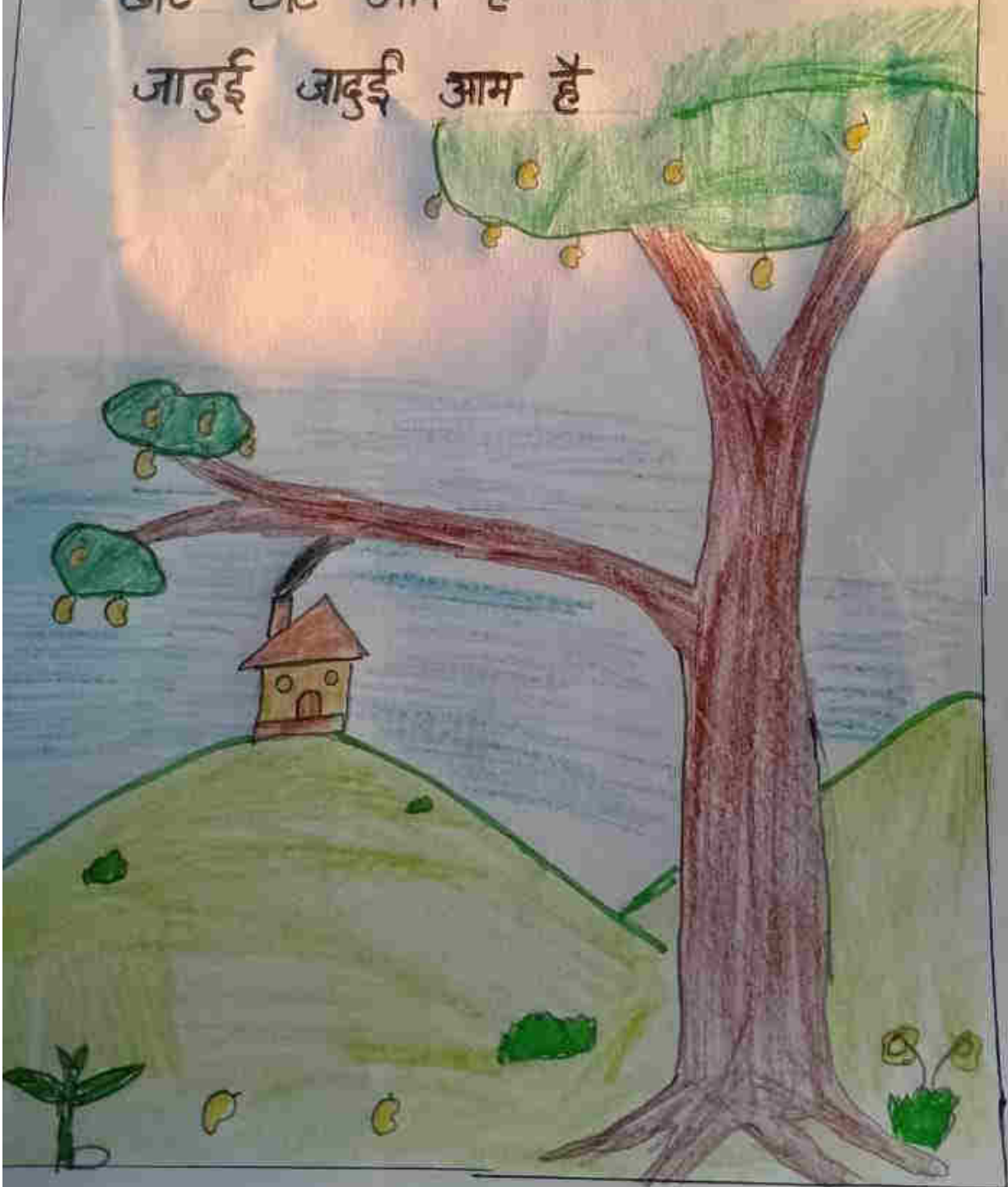
२५

आम

आम आम पीला आम
सुन्दर सुन्दर आम हैं
छोटे छोटे आम हैं
जादुई जादुई आम हैं



Rayon Joseph
Rony
5B Group



टोपी

मेरी प्यारी टोपी

सुंदर सुंदर टोपी

पीली पीली टोपी

मेरी प्यारी टोपी



सुरेंद्र कुमार

कक्षा-२

नितली

नितली राणी नितली राणी
रंगबिरंगी नितली राणी
रंगबिरंगी पंख नुम्हरे नुम्हरे
मेरी प्यारी नितली राणी



प्रान्तिमत शरफिया

5.8



लाल-लाल सड़किल

मेश सड़किल

सुंर सुंर सड़किल

लाल-लाल सड़किल

कितना थारा सड़किल



कृष्णप्रसाह
६

5E

01/02

तितल्लो

तितल्लो राणा तितली राणा

रंग खीर्या तितली है

सूदर सूदर तितली है

मेरी सूदन तितली है



ANISHA
A.H.

बिल्ली

मेरी बिल्ली है

प्यारी बिल्ली है

सुंदर बिल्ली है

मेरी बिल्ली का रंग काला है



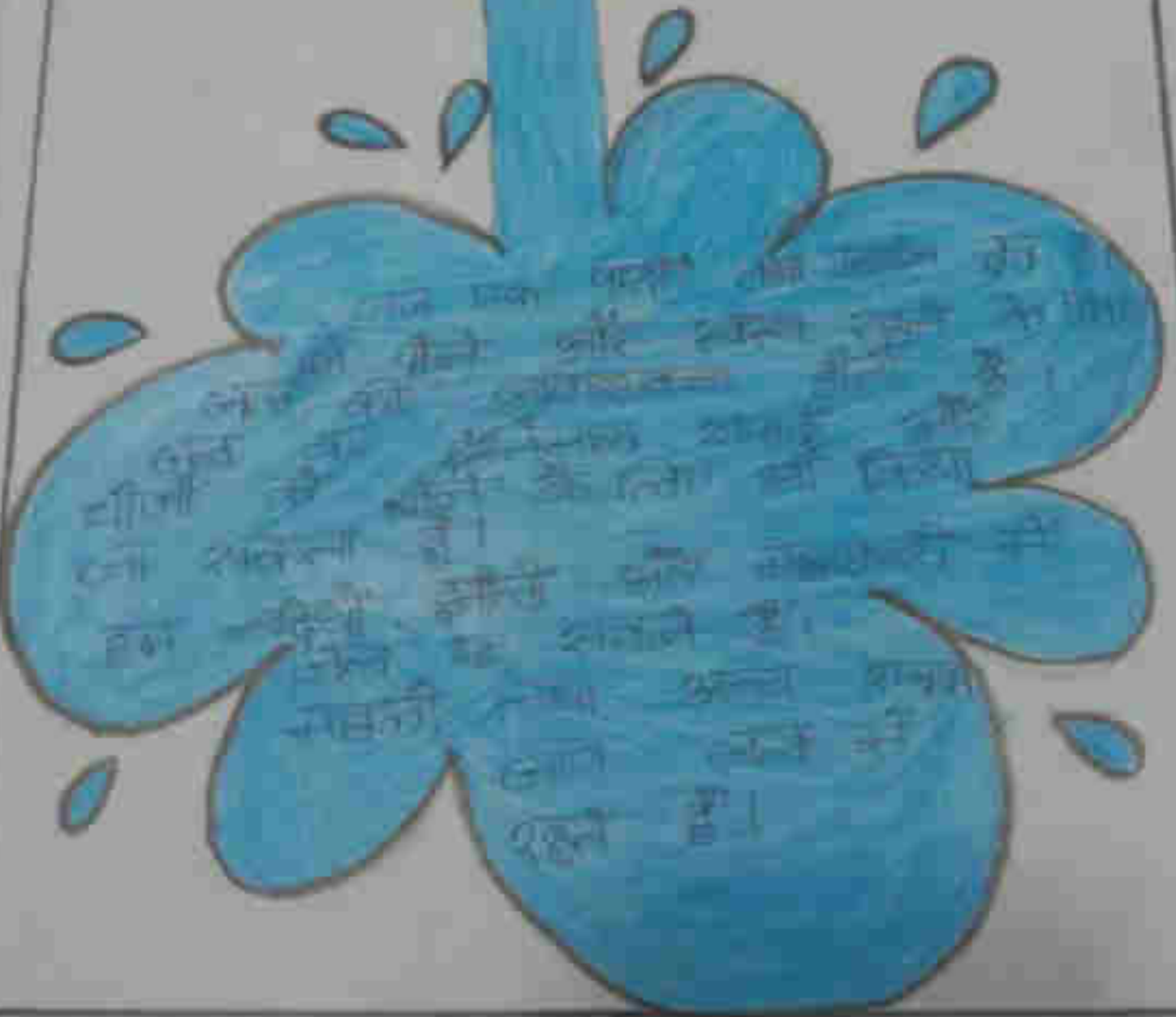
आराध्या . ची

5 A



ଜଳ

ଆନୁଷ୍ଠାନ ଶିକ୍ଷକ
5:0



निन्तली


निन्तली शन्नी निन्तली शन्नी
हमाशी- व्याशी निन्तली शन्नी
निन्तली शन्नी निन्तली शन्नी
शंग - बिशंगी निन्तली शन्नी
लाव - नीली निन्तली शन्नी
सुंदर - व्याशी निन्तली शन्नी
फुल बंडकर निन्तली शन्नी
सुंदर सुंदर निन्तली शन्नी



माशवा - नाम

पृ. १९

अम्मा

अम्मा मेरी प्यारी अम्मा ।
कितनी सुंदर है मेरी मां ।
कोयल की तरह गाने गाती ।
अम्मा अच्छी नाच सिखाती ।
हर चीज़ में प्रेरित करती हैं ।
अम्मा मेरी प्यारी मां । 



उत्तरा अयष
5-6

फूल



मेरा फूल

फूल - फूल तुम कितने अच्छे
तुम्हें धार करते सब बच्चे
डाल डाल पर झूम रहे हैं
झंझों का मुख चूम रहे हैं
खशाबू बन महकते हैं
सबके मन को धारते हैं
मेरा सुंदर फूल है (४२)



आम

आम का देखें राज है पीला,
खाने में यह बड़ा रखीला।
चूसो, खाओ, ताजा आम
सर्शा फलों का राजा आम।



मुहम्मद रासी वीर
5 डी

घर

मेरा घर
ज्यादा घर
छोटा घर
मेरा घर



नीर-व्या अमिताभ
5-8



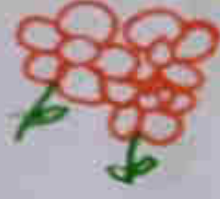
सुंदर आसमान

नीली नीली सुंदर आसमान
चिड़िया आसमान उड़ रहे हैं

चाँद आसमान में पड़ा है
आसमान बहुत सुंदर है



शिवानी
5 डी



मेरा बगीचा

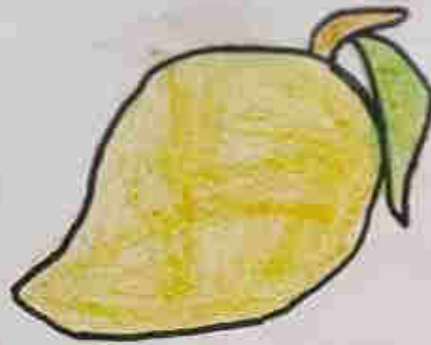
मेरा बगीचा..... कितना सुंदर।
कितने फूलों... कितनी तितलियाँ
छोटी चिड़िया... मीठा जाती।
कितना छोटा... मेरा बगीचा।



अभ्युदय भार
5.51

आम

व्यास व्यास आम हैं
मीठे मीठे आम हैं
सुंदर सुंदर आम हैं
ताजा ताजा आम हैं



निन्तली

निन्तली शन्नी निन्तली शन्नी
हमारे - प्याश निन्तली शन्नी
निन्तली शन्नी निन्तली शन्नी
शंग - बिशंगी निन्तली शन्नी
लाव - नीली निन्तली शन्नी
सुंदर . प्याश निन्तली शन्नी
फूल बँडकार निन्तली शन्नी
सुंदर सुंदर निन्तली शन्नी



माशवा - राम

पु. १२

तारे

तारे तारे चमके तारे

कितने स्यारे तारे हैं

छोटे तारे नन्हे तारे

चमक चमक कर हंसते हैं

देखो बच्च्ये , देखो बच्च्ये

कितने स्यारे तारे हैं



नाकिल के
मुख्यक

V-A

मैरा सपना

मन करता हूँ बादल बनकर
सब को वर्षा दूँ ।

मन करता हूँ पेड़ बनकर
सबको शीतल छाया दूँ ।



अर्लैका
अश्विन्द २०

बिल्ली

मेरी प्यारी बिल्ली
म्याऊ - म्याऊ बिल्ली
बिल्ली दूध पि रही है
बिल्ली मछली खा रही है
मेरी प्यारी बिल्ली



सुहृत्सद शकीन
V-D

सुंदर फूल

सुंदर - सुंदर फूल हैं

व्यास - व्यास फूल हैं

पोला - पोला फूल हैं

सुंदर - सुंदर फूल हैं

किलना सुंदर फूल हैं

व्यास - व्यास फूल हैं



एथल जोसफ

पंजा

मेरी मेरी पंजा

सुंदर सुंदर पंजा

लाला नीला पंजा

मेरी धारी पंजा



इमलीयास
बी. बी

मेश तोता

मेश प्यारा तोता है,
सबको ये भाता है,
सूरत इसकी प्यारी है
-चोंच पर इसकी लाली है।

पिंजरे से लाकता है
उछलता कूकता जाता है,
बाहुर आकर खुशियां मनाता है,
मन में गुनगुनाता है

मझसे कुर ना जाता है
मेरे पास आ जाता है,
सुन्दर चेहरा बहुत भाता है
मिर्ची बहुत खाता है।

मेश प्यारा तोता है
सबका ये भाता है।



निश्चला पी
पीच सी

इंद्रधनुष

असमान में रहता है
सात रंगों वाला है
सबसे मन को धाता है
कौन है मैं, तुम जानते हो ?



श्री पावती

5-बी

मेरी मां

मेरी मां सुंदर मां
मेरी मां अच्छी मां
मेरी मां ध्यानी मां
मेरी मां बेवारी मां
मुझे अपनी मां से प्यार है।



5 B

प्रवृत्त विजोद

मेरा सुंदर फूल



प्यारा प्यारा फूल है
सुंदर सुंदर फूल है
लाल लाल फूल है
मेरा सुंदर फूल है



श्रेया प्रजाप
5 बी

मधुर आम



मन्दूर पीला रंगमधुर आम
मेरा दिलेरा पीला आम
कितना सुन्दर कितना प्यारा
मेरा आम



मुहम्मद राशी
5.5



मेरा

प्यारा

सेब

है

मीठा

मीठा

सेब

है

लाल

लाल

सेब

है

मेरा

प्यारा

सेब

है



शिफा खदीजा

5.ए



पेड़

धूप सदा सुहना पेड़ ,

प्याया हमको देना पेड़।

मीठे फल हमको देना

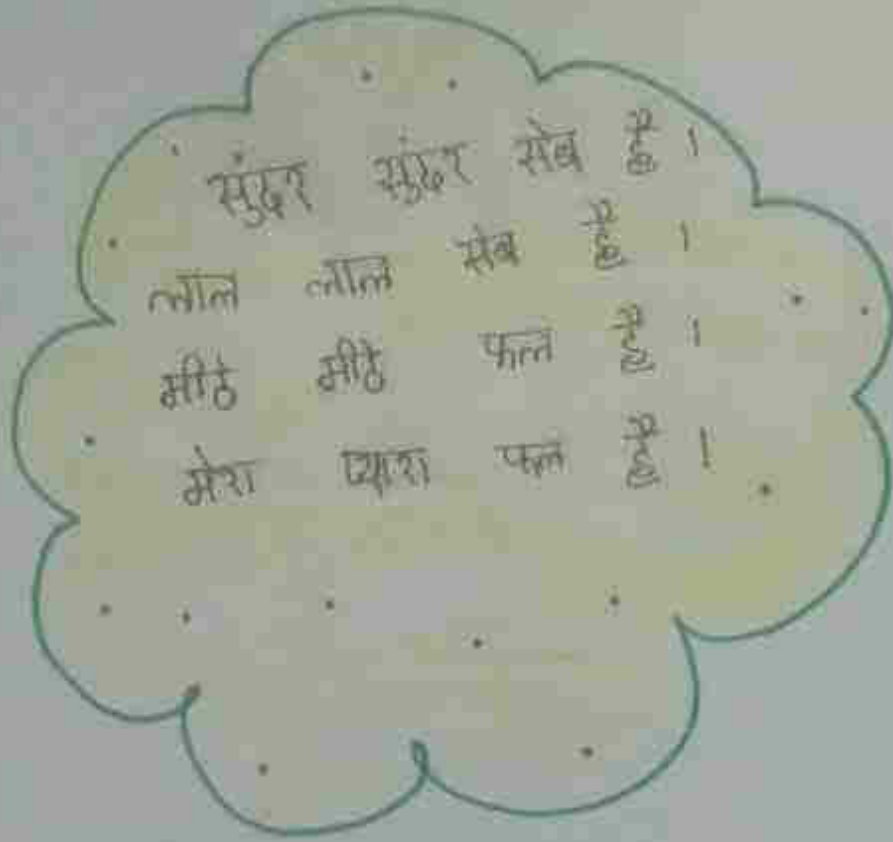
तेरा - मेरा कभी न कखा ।



बृहदा यक्ष्मीसा

5.A

सेब



अनामिका के पी

5 · सी



सुंदर गुलाब

सुंदर-सुंदर गुलाब
मेश प्यारा गुलाब
मेश सुंदर गुलाब
लाल-लाल गुलाब



श्रीलक्ष्मी सुनिल
5 बी

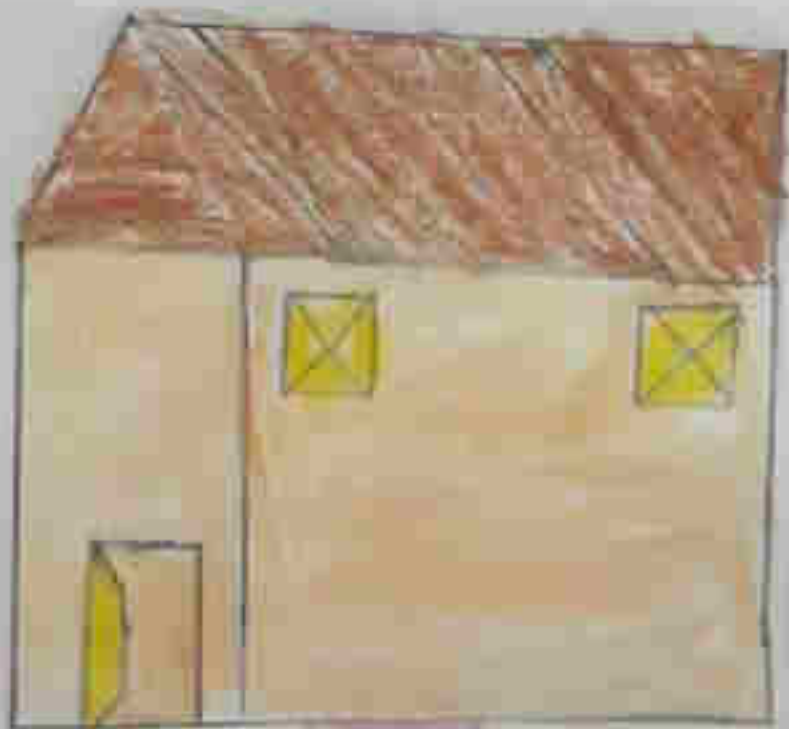
यह एक घर है। घर

यह मेरा घर है।

मेरा खोल है।

यह सदा घर है।

यह मेरा खारा घर है।



जोवान जोवी *

मन्ना

5-५



निलम्बी

निलम्बी रानी निलम्बी रानी
सुंदर सुंदर निलम्बी रानी
व्यारी व्यारी निलम्बी रानी
नीली पीली निलम्बी रानी
रंग बिरंगी सुंदर रानी
सुंदर सुंदर व्यारी निलम्बी
व्यारी व्यारी निलम्बी रानी
मेरी व्यारी निलम्बी रानी



पार्वणा.पी.पी
5.डी

अंगूर



प्यारा	प्यारा	अंगूर	है ।
काले	काले	अंगूर	है ।
सुंदर	सुंदर	अंगूर	है ।
अंगूर	मक	फल	है ।
अंगूर	मक	मीठा फल	है ।
कितना	कितना	अंगूर	है ।
छोटा	छोटा	अंगूर	है ।
मीठा	मीठा	अंगूर	है ।
अच्छा	अच्छा	अंगूर	है ।

आशिष प्रदीप
पाँच सी



मेरा सुंदर छाता



मेरा सुंदर छाता है ।
पानी बरसा छम-छम-छम ।
छा बिरंगों का छाता है
ऊपर छाता नीचे छम ।
छाता लेकर निकाले छम ।
कैर किसका फिर गा छम ।
मेरा मंडल सुंदर छाता ।



शिवोष्ण शर्मा
5-3

दुनिया गोल

* दादा जी की लड़ी गोल



दादी माँ की फलक गोल

मम्मी जी की सैरी गोल



पापा जी का पैसा गोल

बच्चे कहते लड्डू गोल

मौड़म कहते दुनिया गोल



आराध्या - 5म

पाँच - सी

तितली रानी

तितली रानी तितली रानी
फूल फूल पर जाती हैं
सुंदर सुंदर तितली रानी
छोटी छोटी तितली रानी
प्यारी प्यारी तितली रानी



आराध्या एस
5. बी

तितली रानी

तितली रानी तितली रानी
श्याबिरंगे निलम्बो रानी
निलम्बो रानी तितली रानी
फूल बँटकर निलम्बो रानी
तितली रानी तितली रानी
सुन्दर सुन्दर तितली रानी



काशीकान्त कर्णाल
V-A

मेरी बिल्ली

प्यारी-प्यारी बिल्ली

सुंदर-सुंदर बिल्ली

म्याऊँ-म्याऊँ बिल्ली

मेरी प्यारी बिल्ली

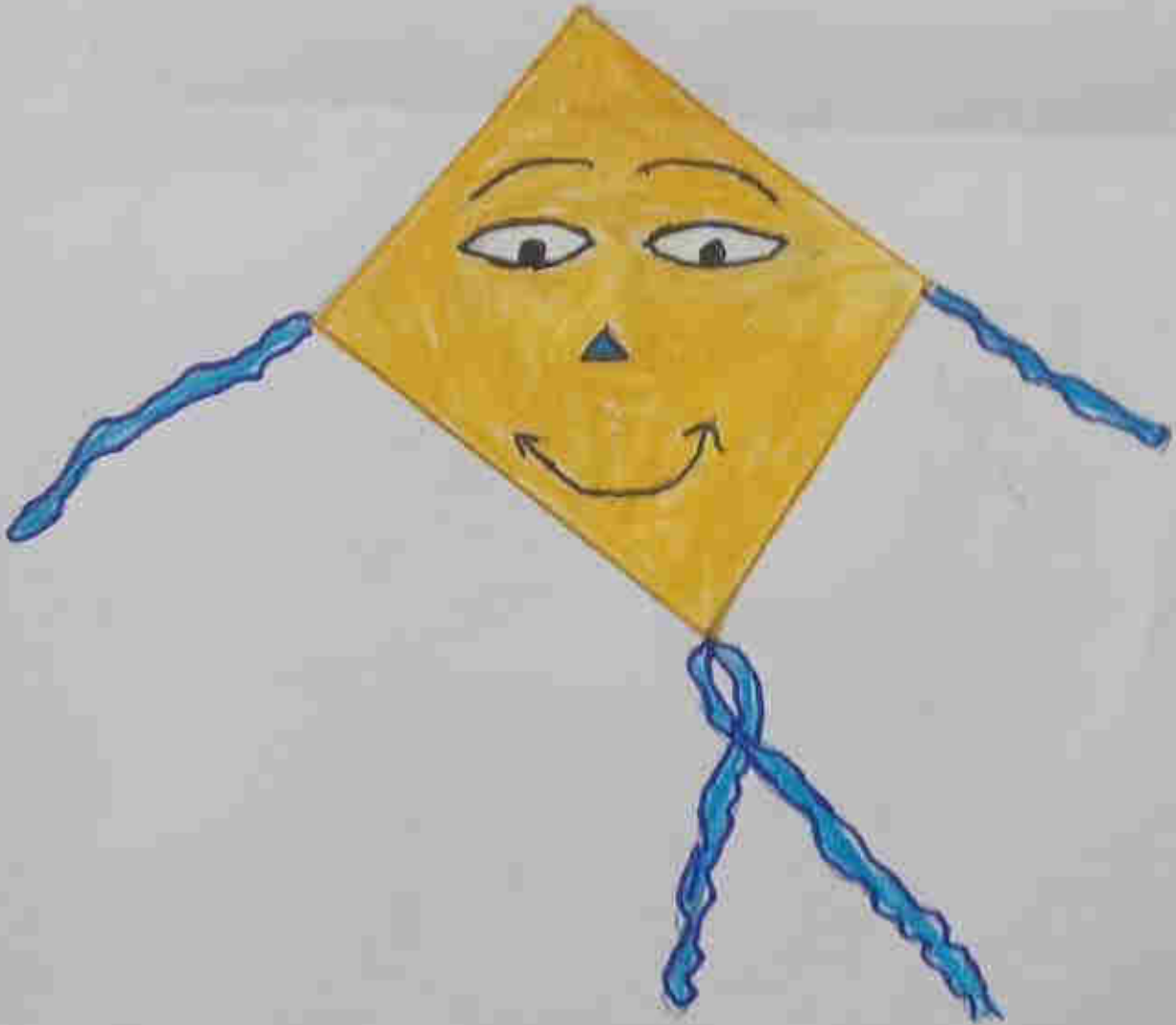


निविन सजीव

5E

मेघना अनुप
5 सी

मेरी मेरी पंख हैं
किन्नी मन्डर पंख हैं
पीली नीली पंख हैं
मेरी ध्यारे पंख हैं



तितली

मेरी तितली

सुंदर तितली

मेरी सुंदर तितली

काली नीली तितली

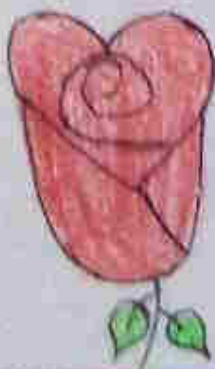
सुंदर सुंदर तितली

प्यारी मेरी तितली

आओ आओ तितली

मेरी सुंदर तितली

प्यारी मेरी तितली



शिवन्या सुधीष

केला



पीला पीला केला

सुंदर पीला केला

हाथी का प्यारा केला

मीठा मीठा केला

मेश प्रिय केला



आक्षिप वी

-

5. सी

गुलाब

में गुलाब का फूल बूँगा
लाल लाल फूल बूँगा
पाश मेरे लिलली जो आरोगी
उसकी दोगत बनाऊँगा



तीरुतथा मनोज

5. डी

मेरी पतंग

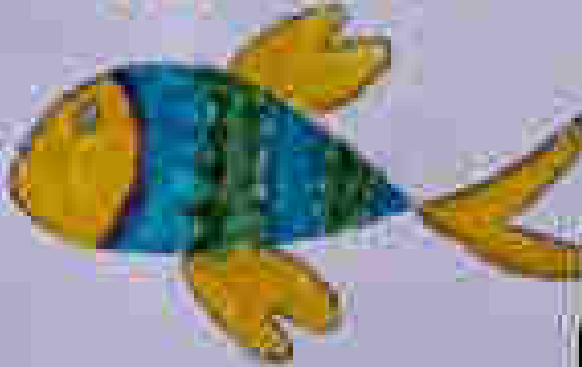
आसमान में उड़ना है मेरी पतंग
दूसरों को हराओ मेरी पतंग ।
विभिन्न रंग में मेरी पतंग
बहुत श्रुद्ध में मेरी पतंग
मुझे बहुत खुशी हुई मेरी पतंग ।
हमेशा प्यार किया मेरी पतंग ।



अभिनव-ए.जे
V.E

जधली

जान की शही किन्ना पानी
हूना पानी उन्ना पानी
अपर पानी बाहर पानी
हकर ओ पानी अकर ओ पानी
सो और पानी ही पानी



अनकानक

58

बिल्ली

म्याऊँ म्याऊँ म्याऊँ म्याऊँ बिल्ली

मेरी मेरी बिल्ली

सुंदर सुंदर बिल्ली

मेरी अपनी बिल्ली....



आरुष्या मुशली
5-E

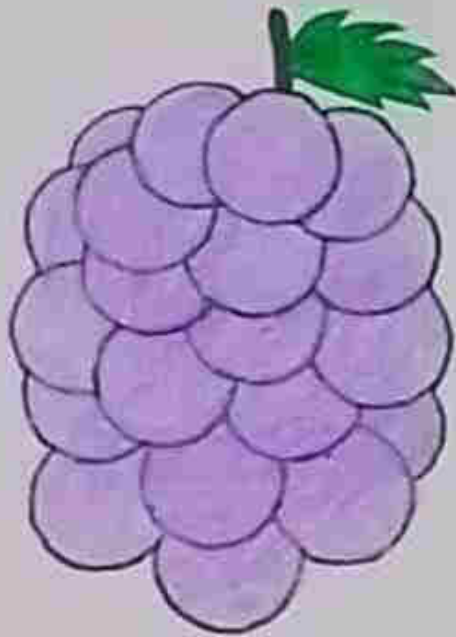
अंगूर

मेरा व्यास अंगूर है

मीठा मीठा अंगूर है

बैंगनी बैंगनी अंगूर है

मेरा सुंदर अंगूर है ।



सुरष्णापत्नी ५
५ बी

टोपी

मेरी प्यारी टोपी

सुंदर सुंदर टोपी

पीली पीली टोपी

मेरी प्यारी टोपी



अद्विचन एड

5 वी

मैं एक फूल

सुंदर सुंदर फूल

लाल रंग का फूल

मेरे बहुत सारे दोस्त हैं



मेरे पास मीठा शहक है

तितली मुझे पसंद करती है

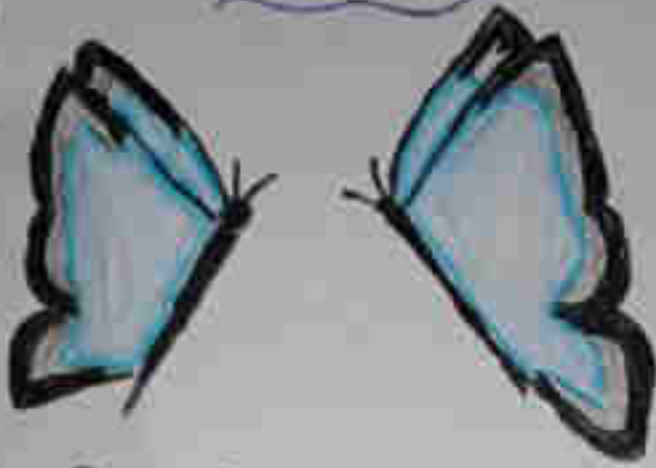
तितली मेरा मीठा शहक पी ले

मैं और तितली दोस्त हैं

मेलीसा 5E



निल्लो



प्यारो - प्यारो निल्लो
सुंदर सुंदर निल्लो
काळो - नीलो निल्लो
कितनो सुंदर निल्लो
बहुत सुंदर निल्लो
मेरो सुंदर निल्लो
(2)



दिया.के
5 वी

कठुन

मेरा लपारा कठुन है

सुंदर सुंदर कठुन है

हरा हरा कठुन है

मीठे मीठे कठुन है

कितने कितने कठुन हैं

कितना बड़ा है कठुन



किष्किशा रासे
६ वीं

तितली

प्यारी प्यारी तितली
मेरी सुंदर तितली
फल परस
ऊँ ऊँ आती तितली
रंग बिरंगी तितली
कितनी प्यारी तितली



५७

पथरु जल
मराया
ए आर



पथरु जल
मराया
ए आर

रंगबिरंगे फूल

फूल फूल मेश फूल
मेश प्याश फूल
फूल फूल मेश फूल
रंगबिरंगे फूल



मातविका.के
पाँच ई

केला

मेरा प्यारा ~~केला~~

पीला पीला केला

पका हुआ केला

सुंदर सुंदर केला



रिषालोक 5E

जुबारा

सबका पसंदीदा जुबारा
हवा में उड़ता जुबारा
सुंदर सुंदर जुबारा
रंग-बिरंगे जुबारा
बच्चों को यह बहुत
पसंद आता है



नक्षला मन
5वीं

अन्नार



प्यारा प्यारा अन्नार

मीठे मीठे अन्नार

लाल लाल अन्नार

सुंदर सुंदर अन्नार

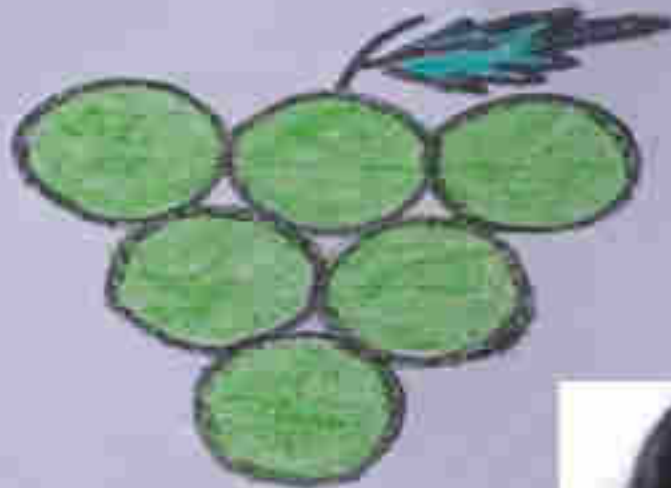
छेय छेय अन्नार



आलिवन्वी
5 थी

अंगूर

पकुरा डोपडा
उण्ड धण्डर
हरे लंगूर
लसत लकठोवा लंगूर



लोवना द्रीसा
ह बी

सेब

मेश प्यारा सेब है
सुंदर सुंदर सेब है
गोल गोल सेब है
लाल लाल सेब है
किताने कितने सेब है
मीठे मीठे सेब है
अच्छा अच्छा सेब है



यदुकृष्ण के.वी
5-सी



चित्र में एक नदी है
नदी में एक आदमी नाव चला रहा था
नदी की बीच में एक में एक एक पत्ते पर बैठा है
नदी के पास कुछ फूल हैं
नदी के पास एक पेड़ और एक पत्ती पेड़ पर बैठा है
एक सूरज आसमान पर मुस्कुरा रहा है

Alexin
anto



5D

सुंकर चिडिया



सुंकर-सुंकर चिडिया
पीला-पीला चिडिया
किन्ना सुंकर चिडिया
छोटा छोटा चिडिया
प्यारा प्यारा चिडिया



कृपा मरिया वरगीस
5-बी

मेरी बकरी

में में में बकरी
कितना सुंदर है

मेरी अच्छी बकरी है
प्यारी प्यारी बकरी है



आशा ६ या ६
पाँच-सी

रैडियो

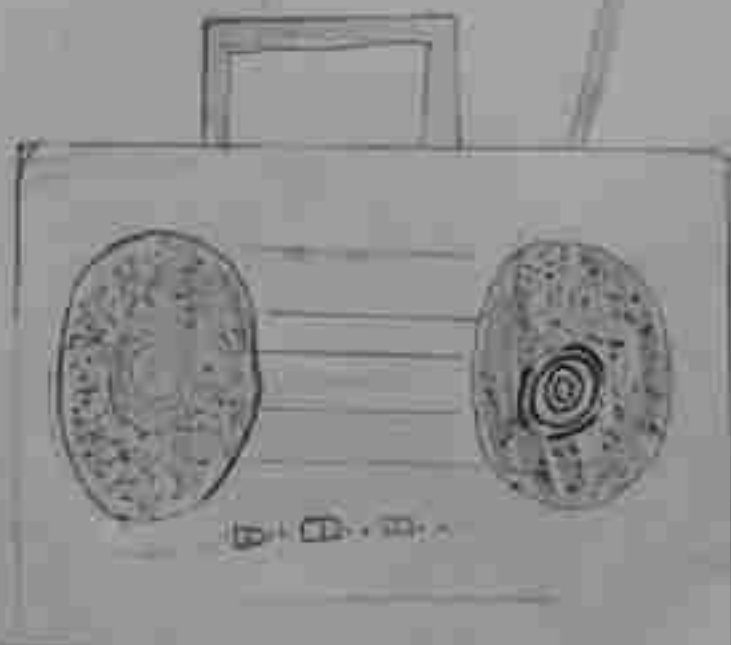
मेरी सुन रैडियो
ओठ गिला सुनवाती है



मेरी सुन

तरह तरह का गिला है

मेरी प्यारी रैडियो



आशिया अमिताभ
है ही

मेरा कुत्ता है

मेरा कुत्ता है

मेरा प्यारा कुत्ता है

सुंदर सुंदर कुत्ता है

मेरा छोटा कुत्ता है

मेरा छोटा कुत्ता है

उम्मु

मेरा कुत्ता



मेरा सुंदर
कुत्ता है



वेदिका प्रमोद
पाँच इ इ

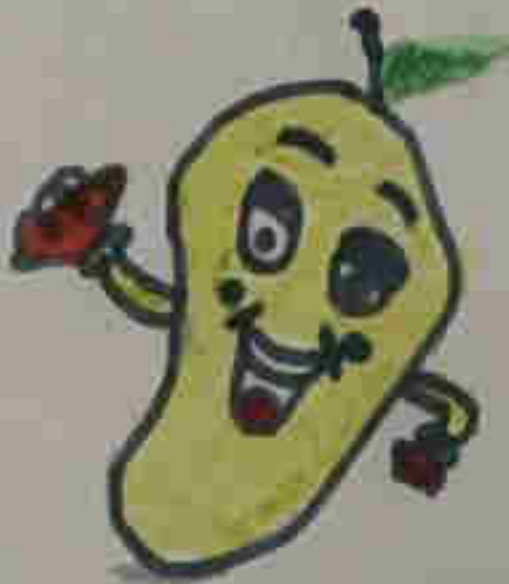




आम



मीठा मीठ ताजा आम,
सभी फलों का राजा आम।
जा चाहे सब जाये आम,
सब का जो ललचाये आम ॥



अदनान शाहुल 5 डी

* मेशी पंतंग *



अनामिका वि
मधु
5. सी



सुंदर पंतंग

मेशी पंतंग

लाल पंतंग

प्याशी पंतंग

किलनी प्याशी पंतंग

सेब

एक फल है सेब

एक लाल रंगीन सेब

एक मीठा सेब

यह पेड़ में बना है

यह सबका प्यारा सेब

सब इसको खाता है



जगदीश प्रियदर्शी

पाँच ए

आम

मीठा मीठा ताजा आम,

सभी फलों का राजा आम ।

जो चाहे सब खाये आम,

सब का जी ललचाये आम ॥



Joswin Joby

छाता

मेरा प्यारा छाता है
लाल लाल छाता है
छोटा छोटा छाता है
सुंदर सुंदर छाता है



आज मेरी वयोश
5-ई

पेड़

पेड़ हमारे बड़े काम के,
पेड़ हमें देते फल-फूल।
पेड़ काटना बहुत बुरा है,
कभी न करना ऐसी शूल।



आदिदेव.वि.पि

५३

तितली रानी

तितली रानी तितली रानी

कितनी खाते किनी सपानी

रंग रंगों पंख सजाते

लाल गुलाबी नीले पीले।



फूल-फूल पर जाती हो,
गुन्गुन-गुन्गुन हो।

कली कली पर मंडरती हो।

मोव-मोव रस पीकर उड़ जाती हो।



अपने कमल पंख दिखाती,
सबको उन्हें हँवड़नाती।

तितली रानी, तितली रानी,

कितनी सुन्दर तितली रानी।





प्रकृति की सीख

पर्वत कहता शीश उठाका
 तुम भी ऊँचे बन जाओ।
 सागर कहता हूँ तहाराका
 मन मे गहवाई राजा।

समय रहे हो क्या करते हैं
 उठ-उठ निरा मिर तात लजा
 मर तो मर तो अपने मन मे
 मोठे-मोठे मृदुन प्रकाश।



- रयान पय-वी

14.07.20

Age: 31

तितली रानी

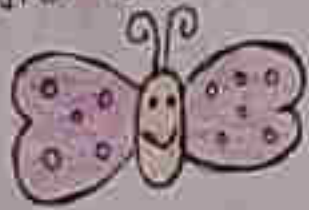
तितली रानी तितली रानी
कितनी बारी कितनी सधानी

रंग कियो पंख सबीले
लाल, गुलाबी, नीले, पीले।



रंग-रंग पर जाती हूँ,
गुनगुन जाती हूँ।

कली कली पर संभरती हूँ
मीठा-मीठा रस पीकर उड़ जाती हूँ।



अपने कोमल पंख दिखाती
सबको उनसे हूँ बहलती।

तितली रानी तितली रानी
कितनी सुदृढ़ तितली रानी।

इस बगिया में आता रानी,
तितली रानी, तितली रानी।



तन्मया
VIB

निन्ली राजी



निन्ली राजी , निन्ली राजी
पंख पंख आऊं न

निन्ली राजी , निन्ली राजी
फूल फूल में बँधी न

निन्ली राजी , निन्ली राजी
इधर उधर उड़ जाऊँ न

निन्ली राजी निन्ली राजी
सबका दिल बँडल आँ न



G-8

Fathimathu Shaadiya

मेरी कार

लाल रंग की मेरी कार,
दो सीटें और पहिए चार।
उसमें बैठा राफ़ सवार,
हॉर्न बजाए बार-बार।



Amel0 Sreenivas

VI-B

तितली



सुबहु सवेरे आनी तितली

फूल- फूल पर जानी तितली
रंग बिरंगी पंख सजाए,
सबके मन की मानी तितली



अम्मा



प्यारी प्यारी अम्मा सेरी
अम्मा का प्यार अम्मोल है।
अम्मा हमसे रक्षा देती है
कितनी प्यारी अम्मा सेरी



लक्ष्मीप्रिया
VI-B

डाकिया आया

देखो एक डाकिया आया,

थैला एक हाथ में लाया।

चिदड़ी कई हाथ में पकड़े,

पहन ठ वट खाकी कपड़े।

बाँट रहा घर-घर में चिदड़ी,

मुझे भी दो लाकर चिदड़ी।



अनघा विनोद

7E

ER



मीरा एक सुंदर लड़की
जो एक अच्छे दोस्तों के साथ
जीवन में एक सुख के साथ
आती है एक सुंदर लड़की



आरोमल राजीव

6A

Narayan

मेरे गुलाब फूल



मेरे घर में फूल
एक सुंदर फूल
मेरे गुलाब रंग का फूल
लिलीयों का एक प्रिय फूल
यह एक गुलाब है।
मेरे घर में फूल
एक सुंदर फूल



वैशा विनोद
6-B



मछली रानी

मछली- खल की हूँ रानी,
लीकम फुसका हूँ पानी,
होथ लगाओ तो दर आयेगी
बाहुन निकाली मर आयेगी ।



अलविना मजो






उड़ी पतंग

मटक -मटककर पूँछ हिलाती
 आसमान में उड़ी पतंग।
 खुलती हवा में लहराती
 उड़ा-उड़कर चली पतंग।
 हसको काटे उसको काटे
 फेंच लड़ती चली पतंग।
 मचल -मचल कर झुल्लाती
 पूँछ हिलाती चली पतंग।



तीतली 

मेरा तीतली

सुंदर तीतली

कोन्डी तीतली

मेरा तीतली

बड़े बोल तीतली

धाखी जीव तीतली

सुबसुह तीतली

मेरा तीतली

सुंदर तीतली



अनामिका

6A

अनामिका का
अनामिका ५५
अनामिका पाठक

शिक्षाचार

बड़े मिलनें तो करो नमस्ते
शिक्षाचार जरूरी है।

छोटा हो या संगी - साथी
सबको प्यार जरूरी है।

"धन्यवाद" कर सभी का
आभार दिखाना जरूरी है।



Angel Nitza 7E





चन्द्रा मामा



चन्द्रा मामा गोल मगोल,
कुछ तो बोल, कुछ तो बोल
कल थे आधे, आज ही गोल,
खोल भी दी अब अपनी पोल।
शत होते ही तुम आ जाते,
सा-सा सिनारे लाते।
लोकल दिन में कहीं छिप जाते,
कुछ तो बोल, कुछ तो बोल।

फातिमा नसरिन

6A

Fathima Nasrin



नितली रानी



नितली रानी नितली रानी
 इतने सुन्दर
 पाँच कहीं से लाई है।
 क्या तुम कोई शहजादी हो,
 यही लोक से आई हो।

नितली रानी नितली रानी
 इतने सुन्दर,
 पाँच कहीं से लाई है।
 फूल तुम्हें भी अरबों लगाने,
 फूल हमें भी भाने हैं।

वो तुम्हको कैसे लगाने,
 वो फूल लाइ ले भाने हैं।
 फूल तुम्हें भी अरबों लगाने,
 फूल हमें भी भाने हैं।

वो तुम्हको कैसे लगाने,
 वो फूल लाइ ले भाने हैं।

नितली रानी नितली रानी
 इतने सुन्दर,
 पाँच कहीं से लाई है।

बारिश



गम गम पानी बरस रहा है
बिजली चमकी हवा आया।
पेड़ पौधे जीनी हरे गई
बारिश आया, बारिश आया



Adarsh Sanil

6 = 0

J. M. U. P S

दुनिया गोल



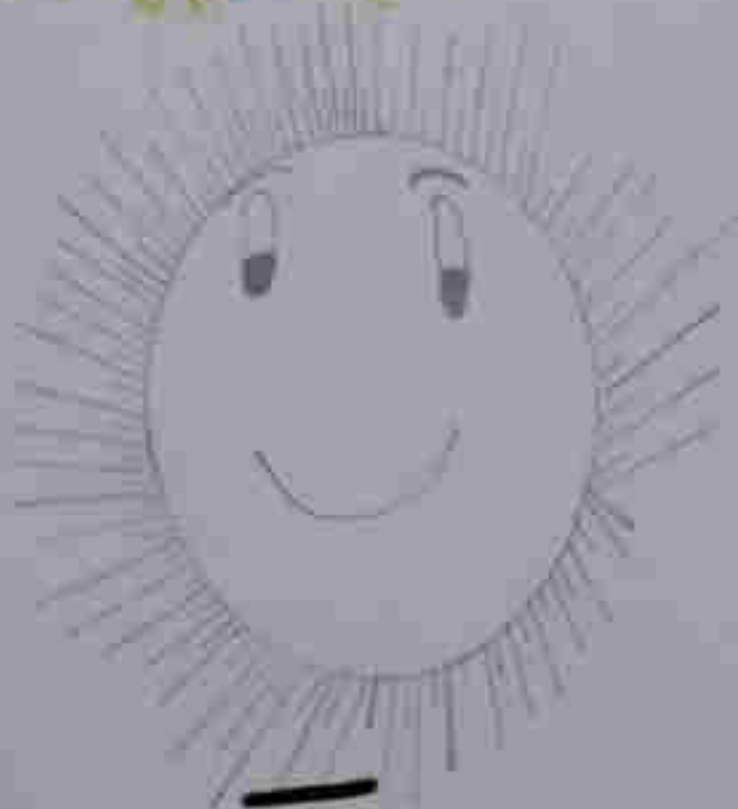
दादा जी की छोड़ी गोल,
दादी माँ की फेनक गोल,
मम्मी जी की रोटी गोल,
पापा जी का पेंसा गोल,
बच्चे कहते लड्डू गोल,
मैंडम कहली दुनिया गोल।



गर्मी

गर्मी के दिन आते हैं।
इसका बहुत मजा है।
जहाँ खेलते वहाँ हम
तेज धूप में मिलाते हम।

खेल का मैदान गर्म,
जहाँ जो आगे नहीं शरम।
जहाँ खेलते वहाँ हम
जहाँ ही मजा मिलती है।



इसमा
6E

सूरज निकला चिड़ियाँ बोली

सूरज निकला चिड़ियाँ बोली
कलियाँ ने भी आँखें खोली
आसमान में छाई माली
हवा बही सुख देने वाली
नन्ही नन्ही किरणें आई
फूल जैसे कलियाँ मुसकाई



Manha Musthafa . k

मेरा बारा तोना



मेरा बारा तोना है
सबको ये माला है,

सूत इसकी बारी है,
घोंच पर इसकी माली है।

पिंजरे से नाकला है,
उछलता-कूदता जाता है,





तितली रानी



तितली रानी तितली रानी
कितनी प्यारी कितनी सयानी!



रंग बिरंगी पंख इन्हींके
लाल गुलाबी, नीले पीले

फूल-फूल पर जाती हो
जन्मभूमि-रानी हो।



रानी रानी कालकरणी हो
सबसे पहले जो पीला हो रानी

अपने कामल पंख फिरोनी
सबको अर्पण हैं बहलानी।

तितली रानी तितली रानी
कितनी सुन्दर तितली रानी

इस बगिचा में जाना रानी
तितली रानी तितली रानी

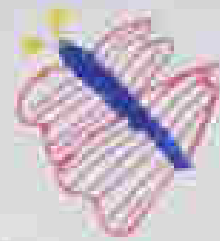
अनन्या क एस

Roll No - 18

7E

तिलनी रात्री

तिलनी रात्री तिलनी रात्री
किलनी वारी किलनी सपानी

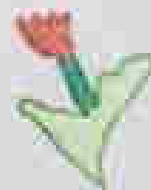


रा विरात पख सजीले
वाम उजवती वीले पाले।

पुल-पुल पर जळी डे,
जळकल-उ जळी डे।

कानी कानी पर संजराती जो
लीला लीला वर वर विल्ल डे धनी डे।

अगले वीसल पख विवारी
अकरी उलसे डे विल्लारी।



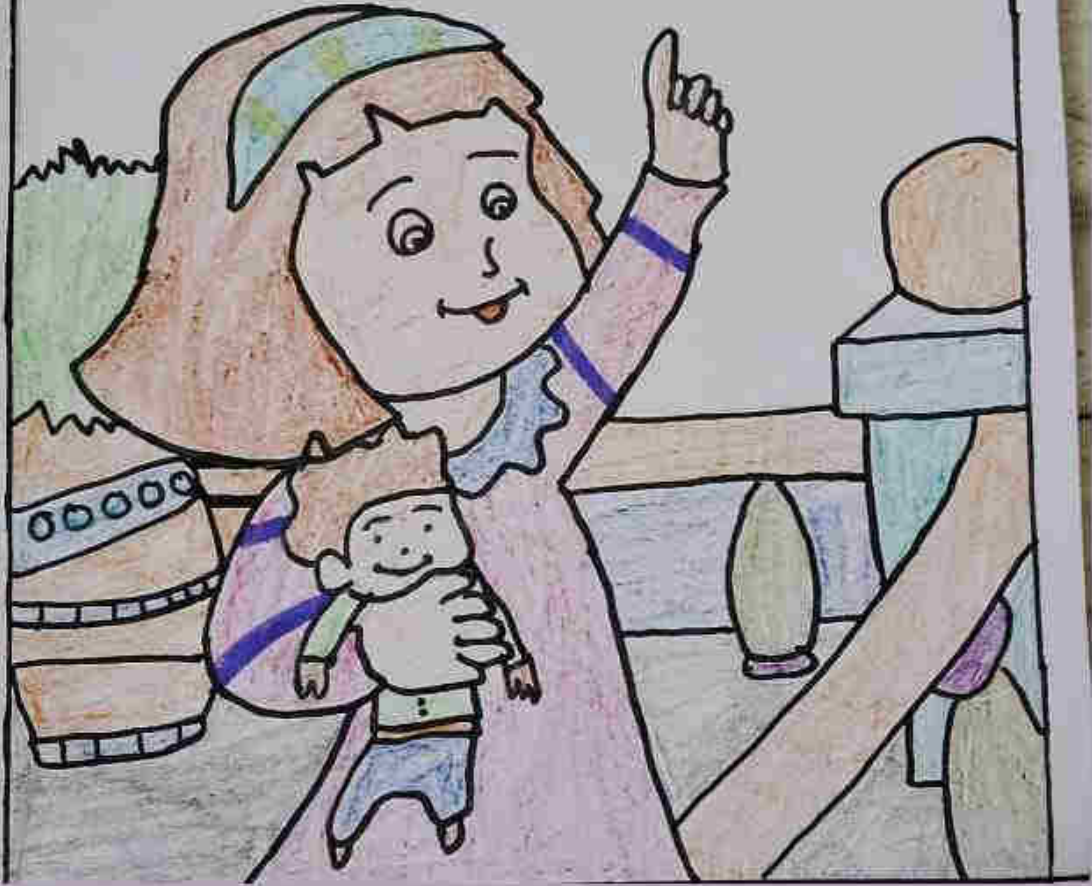
तिलनी रात्री तिलनी रात्री
किलने सुजद तिलनी रात्री।

इश वीण से आना रात्री,
तिलनी रात्री तिलनी रात्री।



चंदा मामा

चंदा मामा अंदर तो आना,
आकर मुझे पह तो बताना ।
रोज़ कहाँ से आते हो,
सुबह कहाँ छुप जाते हो २.



Nima Josy
VI-D

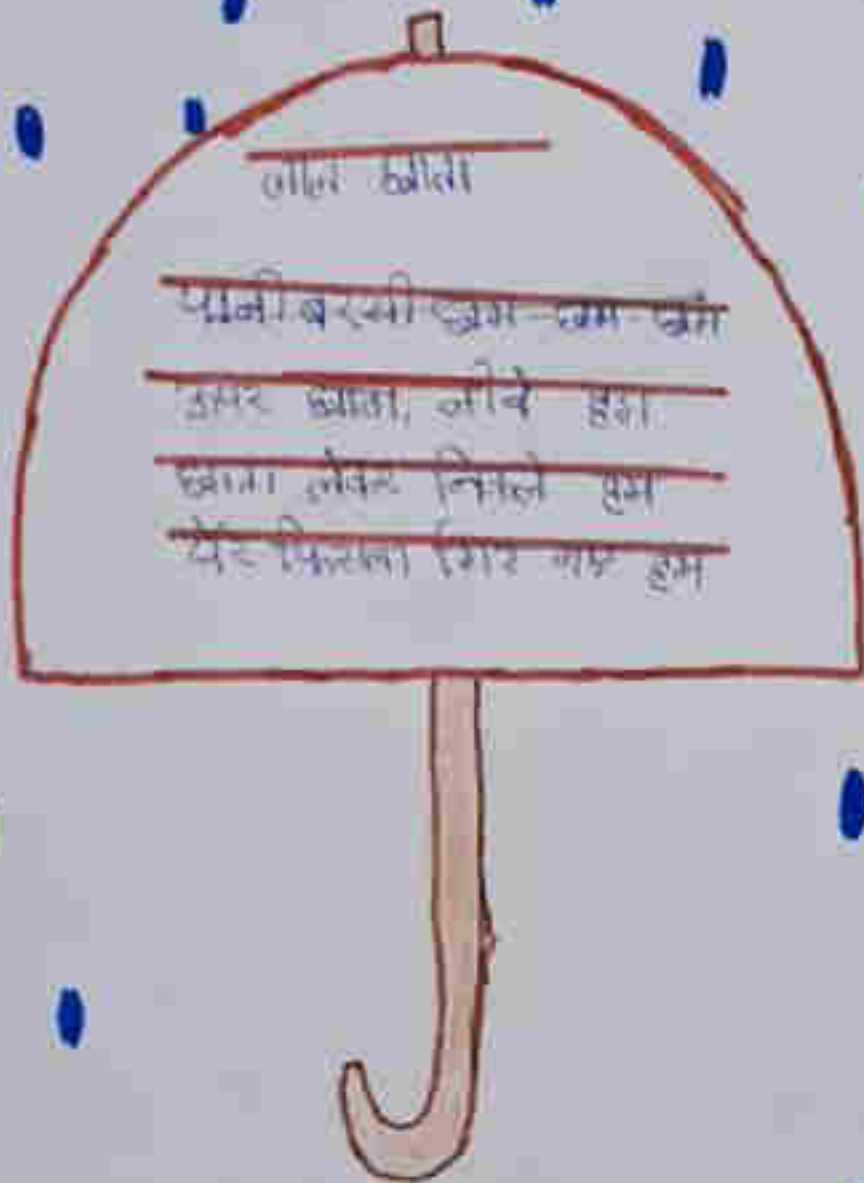
तितली

तितली सनी बडी शयानी,
फूल - फूल पर जाती हो,
फूलों का रस सुशक्क,
अपना पेट भुग्न धरती हो ;



वीणा के द्वारा

वर्ग A
Roll No: 38



जल जल

पानी बरसनी छुम-छुम-छुम

ऊपर छाया, नीचे हवा

छाया जेकर निकले सुम

येह फिरेला गिर गफ हम



तेरेसा बैजू

6 E

35

सूरज निकला
चिड़ियाँ बोलीं

सूरज निकला चिड़ियाँ बोलीं
कलियों ने भी आँखें खोलीं ।
आसमान में छाई लाली
हवा बही सुबह देने वाली ।
नन्हीं नन्हीं किरणें आई
फूल हँसे कलियाँ मुसकाईं ।

हदुल सुरेश
VIII E



नितलो गोत



नितलो नितलो
नितलो नितलो ,
जाण कहां जा रहे हैं ,
आण कहां जा रहे हैं ,
बाहर जंगीचे मे
बाहर जंगीचे मे ।

नोचना . नोचना
सुंदर . सुंदर नितलो
सुंदर . सुंदर नितलो ।
प्यारो , प्यारो नितलो
प्यारो , प्यारो नितलो ,
सुंदर . सुंदर नितलो
सुंदर . सुंदर नितलो ।
प्यारो . प्यारो नितलो
प्यारो . प्यारो नितलो



इलेना

VI-D

तितली

लिलली भनी बडी समानी
फूल - फूल पर आली हौ,
फूलो का रंग चूसकर,
अफना पर नुमा खपली हौ.

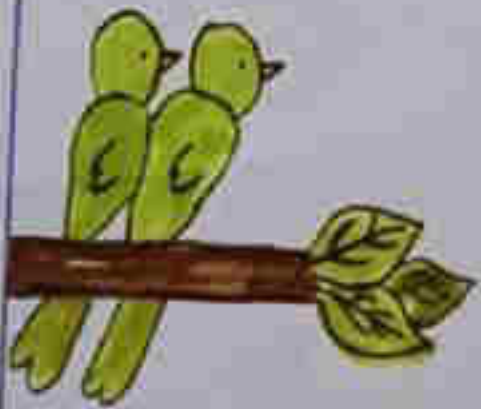


श्रीबाला
6A

चिडिया रानी

चिडिया रानी चिडिया रानी
जल्दी जल्दी आओ न
कू-कू-कू-कू गीत सुनाकर
सुबह-सवेरे आती चिडिया

कितना मीठा नेरा गीत
कितना सुंदर नेरा पंख
चिडिया रानी चिडिया रानी
जल्दी जल्दी आओ न



Sureksha p. 5

VI-D

चिड़िया शनी

चिड़िया शनी चिड़िया शनी
प्यारी प्यारी चिड़िया शनी
चिड़िका शनी चिड़िया शनी
सुंदर सुंदर चिड़िया शनी
चिड़िया शनी चिड़िया शनी
आप का बच्चा क्या बच्चा है



चिड़िया शनी

V10



बारिश खूबसूरत है

मेरे जीवन में बारिश की रसि
 बरनी ना रही है। मेरे कमरे में
 बहुत लड है। जैसा मनोना सब
 रसि है। इस दिन मैं बारिश
 और मनीन घुना रहा हूँ।

मेरे जीवन में बारिश की
 आवाज़ बहुत अद्भुत है।
 बारिश की बूँदों में जीवन
 में एक कविता है। बारिश के बाद
 फूलों पत्तों को बारिश की
 रसि है। यह छीरे के सम्मान

2024



आरदा ई म
 60
 J M UP school
 chevarur



तितली



एक सुंदर तितली एक
विभिन्न रंगों को तितली को
एक आनेगी तितली को
एक घर तितली को।



तितली

तितली एक छोटा सा उड़ने वाला सुन्दर कीट है।

यह रंग-बिरंगी होती है।

तितली के शरीर के तीन भाग हैं।

तितली के चार पंख व छः पैर होते हैं।

तितली बागों में और फूलों पर रहती है।

तितली फूलों का रस चूसती है।

तितली का जीवनकाल बहुत छोटा होता है।



डेलना मल्ल
6D Jyoti School
Cherupuzha

बादल राजा

बादल राजा, बादल राजा।
जल्दी से पानी बरसा जा।
बन्दे मुन्ने झूलस रहे हैं।
दरती को नू ब्रास बूझा जा।
जल्दी से पानी बरसा जा।



Albert George
7E

समय

विजयनाथों प्रथम ऊरो पर
समय नही चुकना है।

मीषण आँधी-नुकां अणो
समय नही चुकना है।

इसे समय के साथ ही चलना
समय साथ नही आना

मेक और जो यल बीच



निहारा पारस
7 E Roll: 34

रेली डे

बिजली कड़की गरजे बादल,
देख को ह्रम लो हो गए पानल ।
आज स्कूल नहीं जाएंगे,
आलू के पकौड़े खाएंगे ।
बारिश में लहारेंगे ,
रेली - डे मनाएंगे ।



अमेया रवी

7E

लितली राणी



लिलली राणी, लिलली राणी
छोट छोट लिलली राणी
मेरा पास आजाँ राणी
राणी राणी, मेरी राणी...



पक्ष नुमारा सुंदर सुंदर
आखे नुमारा चमकी, चमकी
मेरो पास आजाँ राणी
मेरी दिन बहलाओ राणी ।



आम

देखो कितना आम रसीला
छिलका हल्का पीला पीला

लगता कितना ताजा है
आम फलों का राजा है

लगता कितना ताजा है
आम फलों का राजा है

आम फलों का राजा है



रथञ्जल जिन्सी
७६

यदि होता किन्नर नरेश मैं





यदि होता किन्नर नरेश मैं
राज महल में रहता,
सोने का सिंहासन होता,
सिर पर मुकुट चमकता ।

बंदी जन गुण गाते रहते
हरवाजे पर मेरे,
प्रतिदिन नाँवत बजती रहती
संझ्या और सवेरे ।

मेरे वन में सिंह घुमते
मोर नाचते आँगन ;
मेरे बागों में कोयलिया
बरसाती मधु रस - कण ।

तितली



तितली आई, तितली आई 
रंग बिरंगी फूल में आई
कितने सुंदर तेरे रंग
कितने प्यारी तेरे पंख
सुंदर प्यारी पंख सजाए
आसमान में उड़काए तितली 



Jennifer mariya joji

6 d

गिलहरी



चूहे जैसा रूप है पाया,

कोमल - कोमल निज जिसकी लताया ।

लंबी पूंख में रहते बाल,

देखो - देखो इसकी ताल ।

बाजे सत्पट धारी कपहरी,

पीठ पर धारी झुरी - झुरी,

फल और बीज हैं इस्का बाल,

ऊँची ल बच्चे इसे सताता ।



Anagha Umesh

VII E

सिंहाली रानी



सिंहाली आई सिंहाली आई,
या - सिंहाली सिंहाली आई
फुली पर भैरवणी आई
नीली - पीली - हरी - गुलाबी
सिंहाली आई सिंहाली आई।



गनगानी पह अपनी कपती,
एयर - एयर बस उड़ती फिलती,
बच्चों के संग खेल खेलती,
सिंहाली आई सिंहाली आई।

गुडगा रानी इसे बुझानी
उसके पास रही पह भांगी
पर फिर इसका शोभाती
हसा रही उसके पह आती
सिंहाली आई सिंहाली आई।



आलबिया

6D

चींटी रानी

सुबह सधानी चींटी रानी
मीठी चीजों की किवानी
जिनकी छोटी उतने गुण
सका काम करने की धुन
एक बार जो किल में ठना
बस पूरा कर के दिखलाना



अश्विन.पं.पत्र

VII E



मेरा टपारा फूल

मेरे घर के सामने एक सुन्दर फूल है
तितलियाँ फूल से राहुद पीने आती थी
पीले, नीले, लाल रंग के ये फूल मेरे
घर के सामने भरे रहते थे
फूल की खुशबू बहुत अच्छी थी
मछुड़े फूलों से मेरा मेरा पौधा
बहुत पसंद है।



Annsijo

6 d

लालि छाता



पानी बरसा छस-छस - छस

ऊपर छाता, नीचे हस

सना

छाता लेकर निकले हस

पैर फिसला गिर गत हस



6B

फूल



देखो फूल हैं कितने सुंदर
सबके मन को भाते हैं ।
थोड़े से जीवन में अपने
सबका मन बहलाते हैं ।
लगाते हैं जब पौधों पर ये
सबसे प्यारे लगते हैं ।
इन्हें न ताड़ो भैया
ये भी रोने लगते हैं ।



सूर्य रात्रि



सूर्य रात्रि जगदी शक्ति ।
हमें सब प्रकाश प्रदान है ।
यदि है एक रात्रि के अंतर्गत से
सूर्य का वह ही बिना ही हमें
सभी प्रकाश है ।

सूर्य देवता जगदीश्वर ।
सोने से हमें के प्रकाश है ।
सब जगती प्रकाशमान सृष्टि
प्रदान है ।



ये रात्रि ही प्रकाश प्रदान
हमारे के प्रकाश है ।
यदि प्रकाश ही प्रदान है हमें
सोने ही प्रकाश है ।



Parvathi Sunil
6-E

फूल



देखो फूल हैं कितने सुंदर
सबके मन को भाते हैं ।
थोड़े से जीवन में अपने
सबका मन बहलाते हैं ।
लगाते हैं जब पौधों पर ये
सबसे प्यारे लगते हैं ।
इन्हें न ताड़ो भैया
ये भी रोने लगते हैं ।





इस बीरा में

जिसके पास चली गई मेरी जमीन
उसके पास अब मेरी
बारिश भी चली गई



अब जो धरती है काली बटाई
उसके लिए धरती है
कूकनी है कोपने उसी के लिए
उसके लिए उठती है
धरती के सीने से खींची सुरांध



अलफोनसा वर्गीस
VIII



भूखी बिल्ली

बिल्ली बोली म्याऊँ म्याऊँ
भूख लगी है क्या मैं खाऊँ
चूहे के पीछे दौड़ लगाऊँ
उसे पकड़कर मैं खा जाऊँ।



अजय
VI B

या फिर किसी के घर पर जाऊँ

दूधमलाई खा कर जाऊँ

थारे बच्चों बोली बिल्ली

कैसे अपनी भूख मिटाऊँ ॥॥



रेनी डे

बिजली कड़की गरजे वादल,
दुख के हम हो गर पागल।
आज स्कूल नहीं जायेंगे,
आलू के पकोड़े खाएंगे,
बारिश में नहाएंगे
रेनी - डे मनाएंगे।



अक्षर

नाम स्वयं में उ नाम
रुं हरे ओकरे पञ्जरिया
गोलोव कुम सह सोचनों नई
नजर ओकरा से तरे दिन
लोकें गोलोव रोशरा के धारी
ओकरे पिछे पिछे हँ भागत
सावरे सुरनिवा घर भेलिये
पागत अमन अलवेला रागिला
कि करी दिन लोकें गोलोव
अ रोशरा के धारी

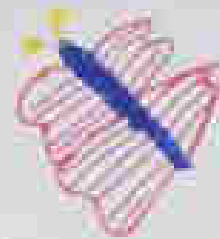


कीरो सी के

७६

तिलनी रात्री

तिलनी रात्री तिलनी रात्री
किलनी वारी किलनी सपानी

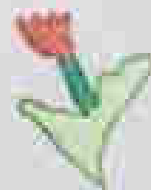


रा विरात पख सजीले
वाम उजवती वीले पाले।

पुल-पुल पर जळी डे,
जळकल-उ जळी डे।

कानी कानी पर संजुनी जो
लीला लीला वर वर विल्ल डे धनी डे।

अगले वीसल पख विवारी
अकरी उलसे डे विल्लारी।



तिलनी रात्री तिलनी रात्री
किलने सुजद तिलनी रात्री।

इश वीण से आना रात्री,
तिलनी रात्री तिलनी रात्री।



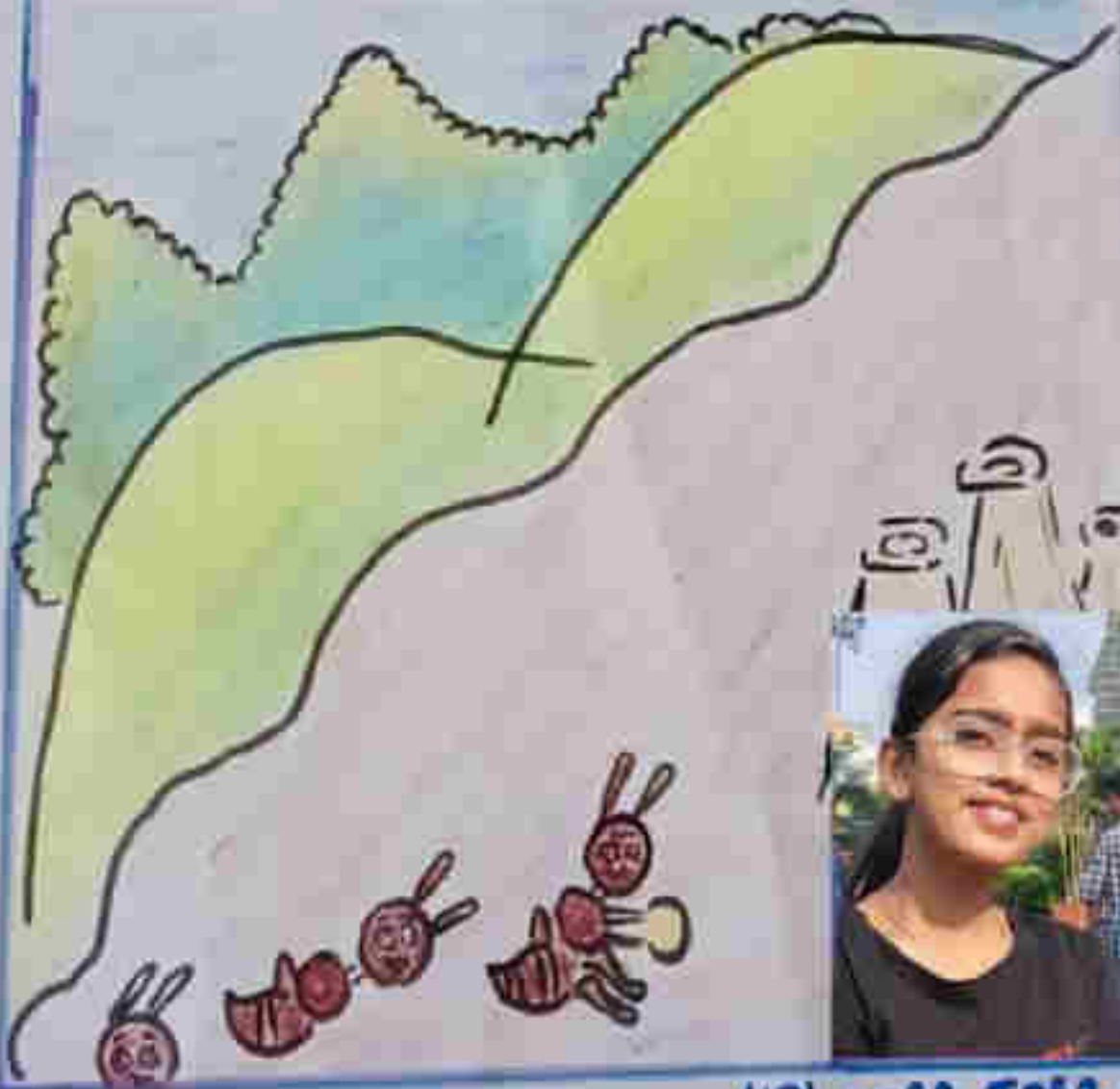
आम की टोकरी

एक साल की लोकरी
भरकर लई लोकरी ।
लोकरी में आम हैं,
जोड़ी बज्जानी नाम हैं ।
दिसा दिसाकर लोकरी,
जुमें बज्जानी लोकरी ।
जुमको देली आम हैं,
जोड़ी बज्जानी नाम हैं ।
नाम नही अब पूछना,
जुमें आम है चूसना ।



चीटी

चीटी करती महान्त खूब,
कभी न थकती रहती धूप ।
भार उठाने खुद से ज्यादा,
कभी न भुलाने अपना वाद ।



प्यारे फूल



प्यारे प्यारे फूल
राग विराग प्यारे फूल
विद्वाने कोमान किन्ना नाण्डूम
खींचे शकको अफनी और
खाशख दूर दूर तक फैलते
शकको अफने पास बूमते
तुम भी बूम कर फूल लोहा
राजा की धरती को खींचे ऐसैध



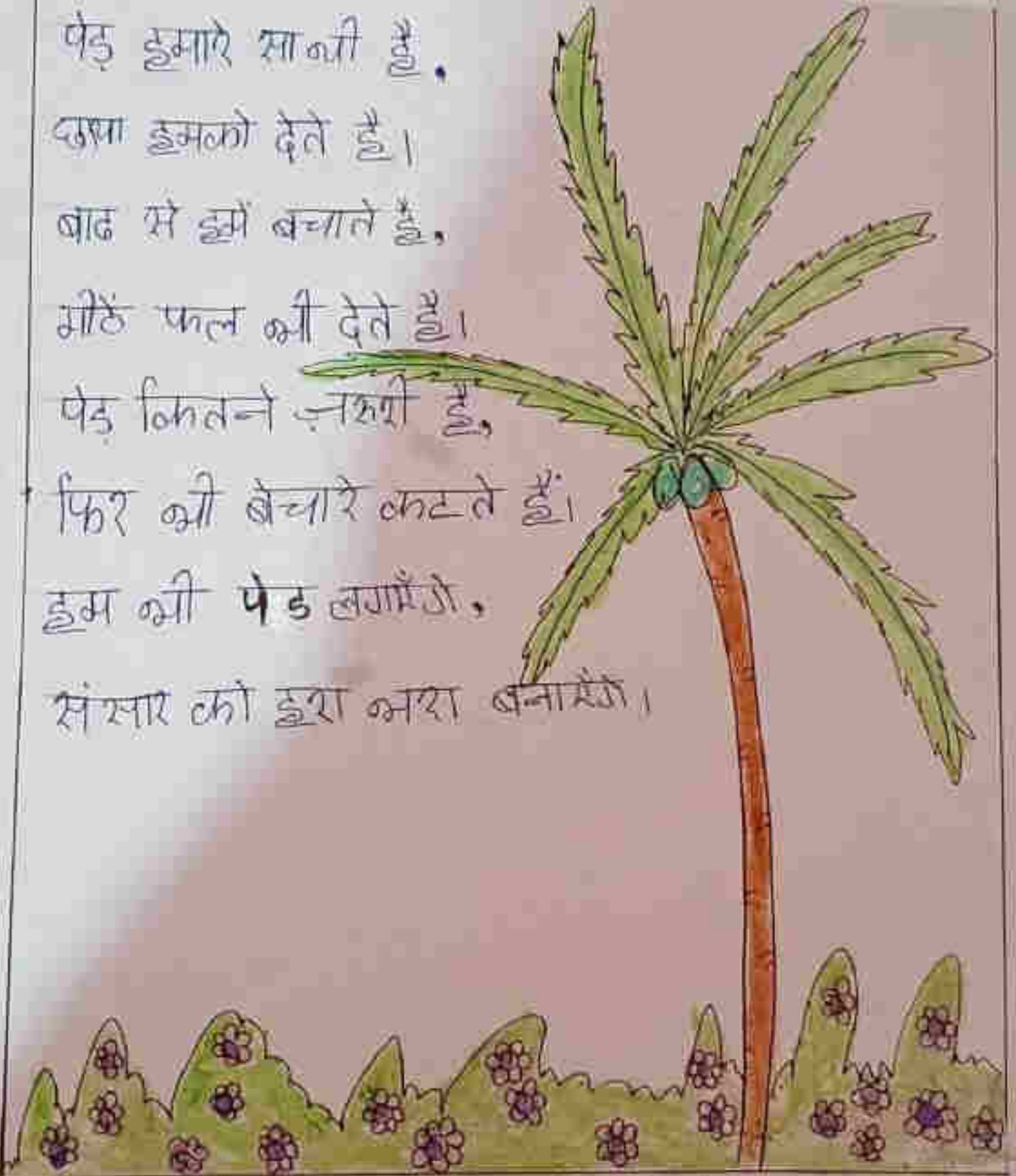
Akshay Binoj
VI D, Roll No. 3



पेड़ हमारे साथी हैं



पेड़ हमारे साथी हैं,
जुआ हमको देते हैं।
घाट से हमें बचाते हैं,
मीठे फल भी देते हैं।
पेड़ कितनी जरूरी हैं,
फिर भी बेचारे कटते हैं।
हम भी पेड़ लगाएँगे,
संसार को हरा भरा बनाएँगे।



हम - कब नही को जाना

मैत्री का मूल्या न धुनाना

नौ ने मैं भी अब जाना है



अन्तिम संकल्प सुनाना है

याचना नही सब रण डोगा

जीवन - जय था किमरण डोगा



इस बीसा में

जिसके पास चली गई मेरी जमीन
उसके पास अब मेरी
बारिश भी चली गई

अब जो गिरती हूँ काली धूल
उसीके लिए गिरती हूँ
कूबकी हूँ कोयले उसीके लिए
उसीके लिए उठती हूँ
धरती के सोने से खोधी सुगंध



अम्फोनसा कर्गस
VII E





सेब लो खाई सेब लो

मीठे मीठे सेब लो

लाल लाल मीठे सेब लो।

दूरे दूरे खरटे सेब लो।

लाल सेब को खाइ से खाओ।

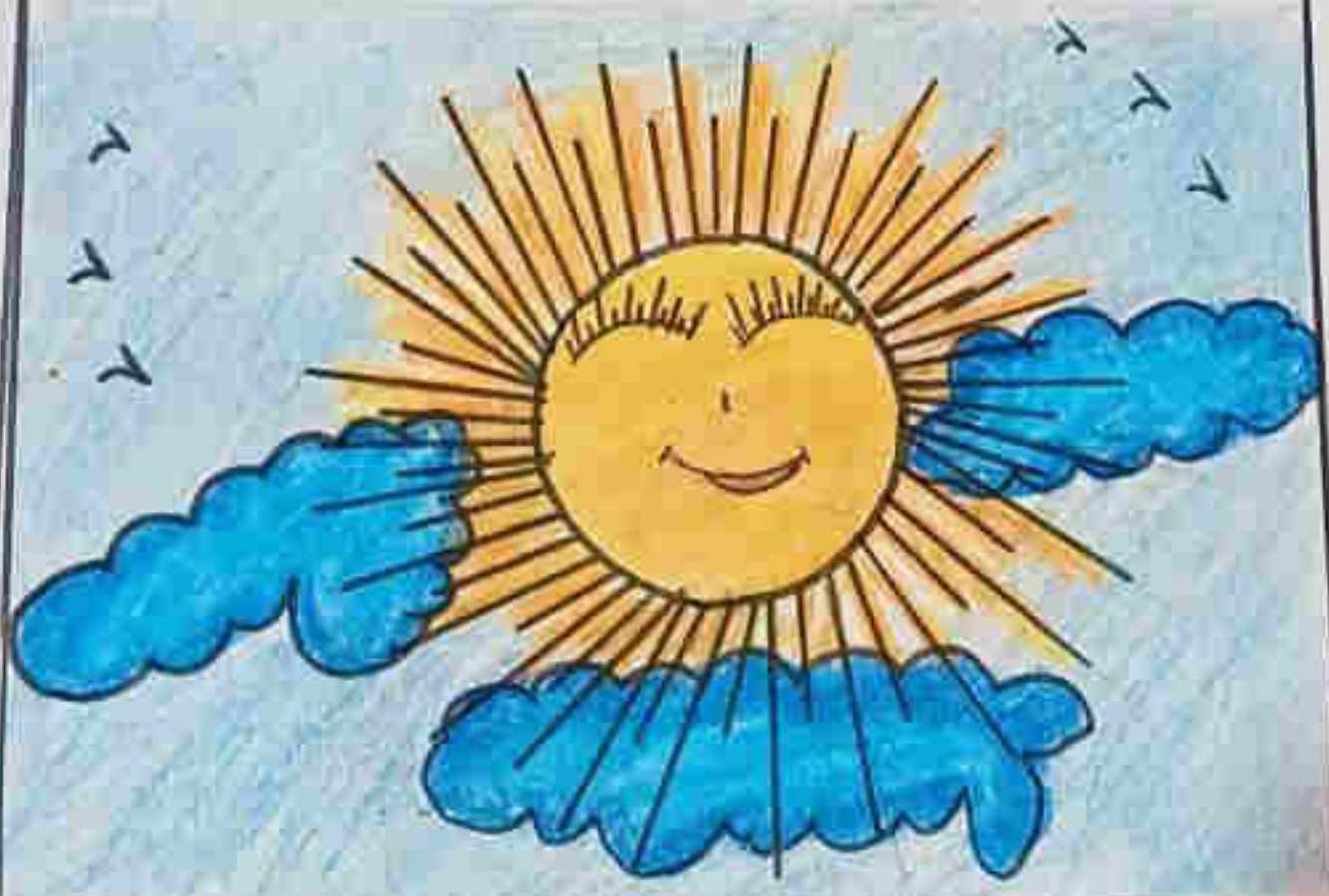
दूरे सेब का अचार बनाओ।



सूरज



मैं ^{प्रश्न} एक तारा सूर्य मेरा
 नाम सौर प्रणाली का केंद्र मेरा
 स्थान सुरुहरी चमकता है मैं रोज
 आग के ग्रह मेरी परिक्रम करे ^{प्रश्न} इधर
 जैसे मुझका श्वे मैं ^{प्रश्न} एक तारा
 मैं ^{प्रश्न} एक तारा सूर्य
 मैं ^{प्रश्न} एक तारा सूर्य * * * * *





पेड़

पेड़ हमारे बड़े काम के
पेड़ हमें देते फला फूलों ।
पेड़ काटना बहुत बुरा है,
कभी न करना ऐसी शूल ।



Kevin Antony

VI-B

Roll No: 24

J.M.U. School

एक बंदर और मगरमच्छ...

एक बंदर नदी के किनारे जामुन के पेड़ पर रहता था। एक दिन, एक भूखा मगरमच्छ पेड़ के नीचे आराम करने के लिए आया। उसे भूखा देख बंदर ने मगरमच्छ को खूब सारे जामुन दे दिए।



Saara Sojan

VII D

31



तितली रानी



तितली रानी तितली रानी
 जल्दी जल्दी आओ न
 कितना सुंदर तेश पंख
 पंख पसारकर आओ न
 फूल तुझे बुला रही है
 जल्दी जल्दी आओ न



वरदा सी के

आम ली



आन ट्रीसा
छठी बी

आम लो बार्ड आम
मीठे - मीठे आम लो ।

पीले - पीले मीठे आम
हरे - हरे खट्टे आम ।

पीले आम को स्वाद से खाओ
हरे आम को अचार बनाओ ।



आनट्रीसा आगस्टीन (४)

बारिश

बारिश को बूँदें गिरती,
अपिश्याँ का सा लाती।

को तर कर जाती
हर कोने में अशियाँ भर जाती

पेड़ों की छास बढ़ाती
फलों को सुकून दिलाती।
स्वर्ग से अवतरित बारिश
धरती का नवीनता दिलाती।

जानी हैं बूँदों का संगीत
जल को बचापन को साँक दिलाती।
चौदनी को किरणों का जादू
अधकार का छिट्टे दिखानी।



फूल

फूल ओ फूल
फूल-फूल तुम बिनाले सहर
कोशिले जैसे नारंग सुनाराम
कोशिले कोशिले सुहाबु के घर

सुहाबु को शरणी है।
पत्ते को कोशिले है।
फूल-फूल तुम बिनाले सहर
फूल कोशिले सुहाबु के घर है।

Adithya ts

7 A



हॉबीर के पेड़ पर तोता

हॉबीर के पेड़ की शाखा पर एक तोता बैठा है।
उसके हॉबीर और लालकान्ठीदार तोता बैठता है।
हॉबीर के पेड़ की शाखा पर एक तोता बैठा है।
उसके हॉबीर और लालकान्ठीदार तोता बैठता है।

हॉबीर के पेड़ में झूलता था
उसे ब्रह्मकार एक गिलहरी का चूड़ा उठा।
हॉबीर के पेड़ में झूलता था
उसे ब्रह्मकार एक गिलहरी का चूड़ा उठा।



मेरे सपनों में

रात के पंखों में चाँदनी खुल
गया। धरती की गोद से मैंने
तुम्हें देखा तुम्हारी मुस्कुराती
माँखों में चम-चम हजारें
नक्षत्र समूह। बादल की
रूप मिलते तुम मुझे आया। सपने
के पंखों पर मैं तुम्हारे साथ
आया मिलकर रंग-सपने देखा।



नाम: इमिता बिन्नी
वर्ष: 7 डी

हमारा भारत

भारत

भारत माना है

भारत अच्छा है

इसमें भारत की संतान के रूप में

जन्म लेने पर गर्व होना चाहिए,

निश्चित सविधान वाला

भारत,

वीर योद्धाओं वाला

भारत,

हमारा भारत

जहाँ के वीर योद्धाओं ने अंगरेजों

से आजादी दिलवाई,

भारत

भारत माना है

भारत अच्छा है

इसमें भारत की संतान के रूप में

जन्म लेने पर गर्व होना चाहिए



वेगा बबु 7.सी

बारिश तु कहां गई

बारिश बारिश तु
कहां गई थी।
बारिश बारिश तु
कहां गई थी।

हम तुम्हें इंतजार करते हैं (2)



फूल, पेड़, जानवरों तुम्हें इंतजार
करते हैं (2)

तुम्हारे मोती तरह पानी
को हम इंतजार करते हैं (2)



तू कहां गयी
तू कहां गयी।
बारिश बारिश तू
कहां गई थी। (2)



द्विषिका रंजित

VII-D

मेरा परिवार

बाना - बनी करते हैं प्यार
मैं उनकी जैसी तस्काइ।
मम्मी - पापा की आँखों का तारा,
मैं हूँ घर का राजकुमार।
सच्चा - दोबो बड़ी समझदार,
यही हूँ मेरा शब्द परिवार।



अनिला मोहन
7-13

बिल्ली (कहानी)

एक दिन हम शहर के किनारे खेला
हैं। उस समय एक बिल्ली आ गई। बिल्ली
शेना है। काश नहीं मानें। हम बिल्ली की
आंख में देखना। बिल्ली की आंख
में आंसू आ गयी। बिल्ली के बच्चे ने
एक कृत्ता पकड़ के निम शैती हैं। हम
बिल्ली ने हमारे घर में वापस आ
रही हैं। उसने दूध दिया गया। बिल्ली
बहुत खुश होती हैं।



अश्वली. पी
7 बी



मेरी माँ

मेरी माँ मेरा प्यारी माँ
मेरी माँ मेरा प्यारी माँ
प्यारी जग से न्यारी माँ
प्यारी जग से न्यारी माँ
माँ का प्यार अनमोल है

माँ का प्यार असूक्ष्म है

माँ मेरी जिंदागी है
माँ मेरी जग है



विकास 2025
VII B

सूरज आया, चोंक आया

सूरज आया, सूरज आया
सबसे नींद से उठाया,
सब लोग उठकर खेत में आया
और बुढ़ी से काम किया

रात होगया, रात होगया
रात में चोंक आ गया
चोंक की रोशनी थली में आ गया
सब लोग सोने जा गया



नाम : अमित्त सुरेण

वर्षा : 7वीं

सूरज और चाँद

सूरज और चंद्रमा
 हमें बहुत सुख देते हैं
 हम अन्धकार को उन्नीचा करते हैं
 इस लीला में प्रकृति
 आज कल का उपयोग है



चाँद भी चमकीली
 भाव प्रकृति देते हैं
 हमें रात में एक किलोमी लोका है
 आनंदों धारणाएं करते हैं
 प्रकृति को धारणाएं करते हैं



ANS MARIYA
 VII B

बिल्ली की कहानी

एक बार एक बिल्ली थी। वो बहुत ही चौक चालाकी और चौकस थी और उसकी इसी चालाकी और चौकसी को देखकर चूहे भी सावधान हो गये थे और अब चूहे बिल्ली के हाथ नहीं आ रहे थे। एक समय ऐसा आया कि बिल्ली भूख के मारे लड़पने लगी। एक भी चूहा उसके हाथ नहीं आता था, क्योंकि वो उसकी आहट सुनने ही तैयारी से अपने बिल में छुप जाने थे।



अमया विजयक
7वीं

नदिया

ओ नदिया

नदिया ओ नदिया
वह सुंदर नदिया
माछली का घर है
जब नदिया पर सूरजकी है
पानी की शय है
बादल की शोस्त है
जब नदिया पर सूरजकी है



बादल ओ बादल
वह सुंदर बादल
माछी पानी का घर है
जब बादल पर सूरजकी है
नदिया की शोस्त है
जब बादल पर सूरजकी है



अनन्या शर्मा
7 शी 06/06/19

बिल्ली और बिल्ली

एक जंगल में दो बिल्लियाँ रहती थीं। उन दोनों में बहुत ही गहरी दोस्ती थी। उन दोनों को कुछ भी खाने के लिए मिलना या तो बहुत ही धीरे से मिल बात कर खा भी थी। एक दिन वो दोनों जंगल के पास एक गड्ढे में छम्बने के लिए गयीं। वहाँ उनको चूल्हे-चूल्हे एक रोटी का टुकड़ा मिला। उन दोनों ने एक साथ ही रोटी को फाड़ लिया कि रोटी के दो टुकड़े हो गए। जैसे ही दोनों बिल्लियाँ रोटी खाने चली तो उनमें से एक बिल्ली बोली - "तुम्हारा टुकड़ा बड़ा है।" तभी दूसरी बिल्ली बोली - "नहीं मेरा टुकड़ा बड़ा नहीं है।" उन दोनों में बहुत ही लड़कें इसी बात को लेकर हुआ करता रहा।



20/07/21
रा. 1/8
पृ. 31

शांति का
साथ दो

पेड़ हमारे साथी

पेड़ हमारे साथी हैं
छाया हमको देते हैं
घाह से हमें बचाते हैं
मीठे फल भी देते हैं
पेड़ कितने जरूरी हैं
फिर भी बचारे कटने हैं
हम भी पेड़ लगाएंगे
प्रसार का हार् भर
बनाएंगे ।



आपका

7:0

हाथी

हाथी आया हाथी आया।
धीरे धीरे हाथी आया।
कान हिलाकर हाथी आया।
सूँड हिलाकर हाथी आया॥

सींग हिलाकर हाथी आया।
पूँछ हिलाकर हाथी आया।
हाथी आया हाथी आया।



आनमरिया
1. सी



फूल

एक फूल जो पानी में खिलता है
जिसे फूल के पत्ते में खिलता है
-सिंह को भी देखने के लिए अपना
वसा आप सही तरह लस बना सकते हैं।
में कज्जल का फूल है
में कज्जल का फूल है
पुष्पों में शानकुसुमों
पेड़ में है



सौंदर्य का फूल
एक फूल जिसके नीचे पाँवों के नीचे है
-सिंह को भी देखने के लिए अपना
वसा आप सही तरह लस बना सकते हैं।
में गुलाब का फूल है
में गुलाब का फूल है
पुष्पों में शौकी शनो
पेड़ में है



विद्या कानिशा का
10-

पेड़

आइए कल्प के लिए एक पौधा लगाए

पेड़ एक उपहार बन गया

जगत् के रूप में यह छाते को गर्म करेगा

हमारे लिए विश्राम स्थान

जड़ें मिट्टी में फैलती हैं

वे मिट्टी को रखा करते हैं

वे फल देते हैं

वह तेरे का दिन था

पेड़ जो लम्बे खड़े हैं

हमारे पास सांस लेने की मशीन हैं



फातिमा एज

इंज्वार में

उस दिन अनिल का पाँचवाँ जन्मदिन था।
उम्मी माँ अपनी भाभी चिन्मूक के जो
अभी तीन साल की थीं, सोपे कर काम
में वास्तु थी। लक्ष्मी दोस्तों के साथ
खेलते समय वह चिन्मूक के बारे में
धुन गया और जब उसके दोस्त चले गये तो
उसने चिन्मूक को खो दिया। वह पादु ला
गए। वहाँ स्थानीय लोगों और परिवार के
सदस्यों की शोडि थी। लेकिन उसका कोई
पता नहीं चल सका। कुछ सालों बाद
ही वह अपनी झेलीली का इस
उन्मीद में इंज्वार कर रहे हैं कि वह
एक दिन वापस आयेगी।



Laizel Mariya 7D

सोमरा स्युली

सोमरा स्युली सोमरा स्युली
सोमरा स्युली सोमरा स्युली

सोमरा स्युली सोमरा स्युली
सोमरा स्युली सोमरा स्युली

सोमरा स्युली सोमरा स्युली



सोमरा स्युली
सोमरा स्युली

माँ और लड़की

माँ की ममता माँ का प्यार
माँ की आँखों के नरें हम
करे शिखरों की आर-पार
माँ की ममता माँ का प्यार
उसके आगे सब है नार
माँ की ममता माँ का प्यार



7.DP Muhammad sinan

अच्छा दोस्त

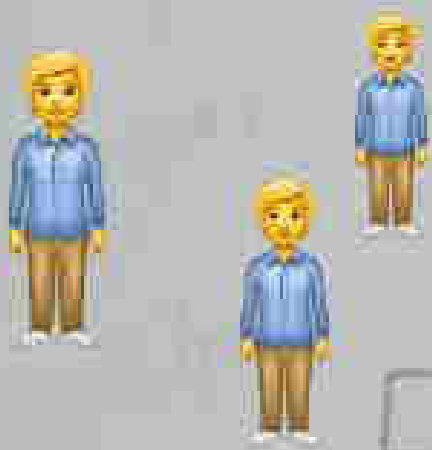
एक किसान खेत में गुबर रखा था और उसने देखा
बहुत जल पानी को कट दिया है और जब कुछ मछ
किसने किया है तभी एक अन्ध व्यक्ति उसके
पास आया और उसे बताया कि यह उसके पड़ोसी ने
किया है। अपने पड़ोसी के पास जाया और उससे
पूछा कि तुमने ऐसा क्यों किया तब किसान ने कहा
ठीक है, अब मैं इसे फिर से ही उगाऊँगा और
तब तूला हमारे बगीचे में पानी की व्यवस्था कर
दे। इस तरह दोनों दोस्त बन गए।



Divyanshu MD
VII-D
Roll No. 12

मेरा प्यारा स्कूल

देखा देखा मेरा स्कूल
कितना सुंदर है स्कूल
सबसे अच्छा मेरा स्कूल
बहुत अच्छा मेरा स्कूल
मेरी टीचर कितनी प्यारी
टीचर इसको पाठ पढ़ाती
स्कूल कितना प्यारी है



हुज्जात नसरिन रवा २९

बहुत हुआ

बाइल भक्षणा
बहुत हुआ
कीचड़ - कीचड़
पानी पानी



पाद सभी तो
आई जानी
सारा घर
दिन रात हुआ

आइँ कहीं
कहाँ पर खले ?
घर में फेंके
लोखिल झले
प्ला पिछले में
मैंने हुआ



सुरज दादा
दूध छिलाएँ
तान नही
सउकाँ से आइँ
लस भी बंधा
कले हुआ !



हाथी और तीन खरगोश

एक जंगल में तीन खरगोश खेल रहे थे।
अचानक एक बाघ ने उन्हें देखा और उन्हें खाने का
फैसला किया बाघ तहाँ घास के पीछे छिपा हुआ था
पक्षी को जहाँ से एक हाथी खड़ा था शब देख रहा था।
जब बाघ उनके शरीर पर कूदा और खाने के लिए उका
तो हाथी ने अपनी सूंड में पानी इकट्ठा किया और
पानी को बाघ के शरीर पर छिड़क दिया। जब एक एक
ही बार पानी की बोझर हुई तब तक बाघ भाग गया
दुखने खरगोशों को बचाने के लिए हाथी को धन्यवाद
दिया और फिर हाथी उनका शुक बन गया बाघ ने
वे अच्छे दोस्त बन गये



आरुहा अशिलाम
7 डी





ज्या जगत् नमि भूषा १
तयो नदी
नदी जगत्तिया न नदी न
नदी नो डिगता नदी न
नदीया न्या न नदीया (१)



अवधि पी.वी. १-२

२०२१

चिड़िया

चूँ-चूँ करती आयी चिड़िया,
दाल का दाना लायी चिड़िया।
ढप ढप करता आया भालू,
दोल उठा कर लाया भालू।
भौँ-भौँ करती आयी कुत्ता,
म्याऊँ म्याऊँ करती आयी बिल्ली,
दूध का कटोरा लायी बिल्ली।



आन शीस बिजु
7-D

प्यार

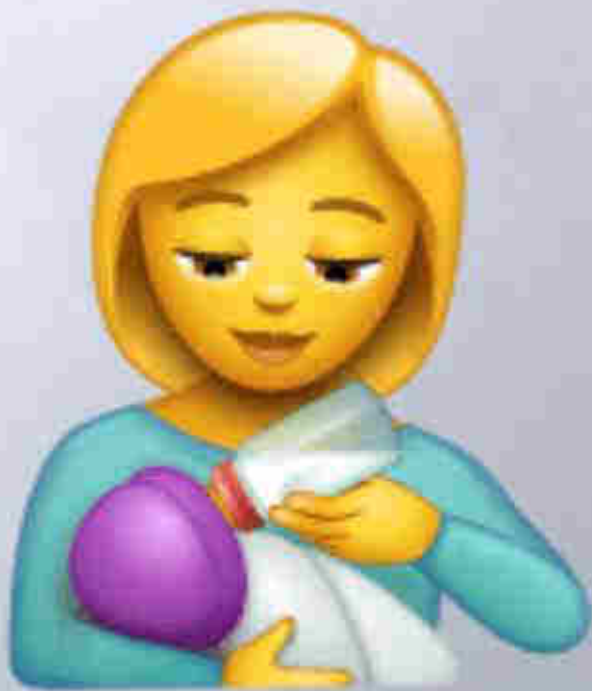
एक दिन रामू घोस्ता के साथ नखने के बाढ़ घर वापस आ रहा था। तब वी एक पेड़ के नीचे रात हुए नन्ही चिड़िया का देखा। उसने वह चिड़िया को अपने घर लेकर गया। चिड़िया को एक पिजरे से बंद कर दिया। हर दिन उसको अच्छा-अच्छा खाना खिलाने लगा। फिर भी वह चिड़िया रात ही रहा। रामू को कुछ समझ नहीं आया। वह अपनी माँ से यह बात बताई। माँ ने उससे कहा कि वह चिड़िया अपनी माँ से दूर रहने की वजह से रात रही है। जैसे हि तुम्हें मुझसे दूर रहने से दुख होती है वैसे ही चिड़िया को अपनी माँ से दूर रहने में दुख होती है। यह सुनकर रामू बहुत दुःखी हुआ। उसने जाकर वह पिजरे खोलकर वह चिड़िया से उड़ने दिया। जब पिजरे से बाहर आया चिड़िया बहुत खुशी हुई। चिड़िया का देखकर रामू भी बहुत बहुत खुश हुआ।

सात्विक सुरेंद्रन
7-0



माँ और लडंकी

माँ की ममता माँ का प्यार
माँ की आँखों के नारे हम
करे खिलौने की भर-पार
माँ की ममता माँ का प्यार
उसके आगे सब ढोकार
माँ की ममता माँ का प्यार...



7.0

Rhithunadh

हमारा प्रकृति

चमकते धूप हैं हम,
आकाश के तारों के हम,
सूरज हैं हम, बारिश हैं हम,
ठंडी-ठंडी हवा हैं हम।



खेतों की हरियाली हैं हम,
सागर की लहरें हैं हम,
खिलने कलियाँ पर बैठने,
भ्रमरों की गुंजन हैं हम।



एक पत्थर में चढ़ने हम, और -
प्रकृति में गलने हम, और -
सब जीवों को याद करें हम, और -
खुशी से रहती हैं हम।



तन्मया . पी . वी . प . डी

आम की टोकरी

~~छह साल की छोकरी
भरकर लार्ई टोकरी~~

~~टोकरी में आम है
नहीं बनानी दाम है।~~

~~दिया - दियाकर टोकरी,
हमें बुलानी छोकरी।~~

~~हमको देनी आम है
नहीं बुलानी नाम है।~~

~~नाम नहीं अब वृछना
हमें आम है चूसना।~~

Amrigha K-3
7 D Roll No 4



कहानी

प्यारी बच्ची

एक घर में एक माँ और दो बच्चे रहते थे। माँ अपने बच्चों को प्रतिदिन कुछ पैसे देती थी। पहली बच्ची सारा पैसा खर्च कर देगा और दूसरा बच्चा इसे अपनी माँ के जन्मदिन के लिए बचकर रखेगा। एक दिन माँ का फ्लूसीडिट हो गया और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। इलाज के लिए पैसे नहीं थे, इसलिए बच्चा को पैसा दिया गया और उसने अपनी माँ को उसके जन्मदिन पर उपहार के रूप में जीवन दिया।

आवणी अनीष

7B





परी की अंगूठी

बहुत समय पहले, सोलापुर नाम के एक गांव में अरव नाम का एक बच्चा रहता था। छुट्टियों के दिनों में अरव अपनी नानी की घर गया। उसकी नानी बहुत बीमार थी। अरव की नानी के घर के पीछे एक छोटा-सा जंगल था जिसमें एक तालाब था। एक रात वह तालाब के किनारे बैठ था। आसमान में घूट धोंद पड़ना रहा था तभी अचानक उसे पेड़ों के बीच कोई चमकती चीज दिखाई दी और सुनो पत्तों पर किली के चलने की आवाज भी सुनाई दे रही थी। अरव डर गया। उसे लगा कि कोई जंगली जानवर उसकी ओर आ रहा है। तभी उसे पेड़ों के बीच में एक आकृति दिखाई दी। साहस करके वह अपनी लगन से उठा और धीरे-धीरे उस आकृति की ओर बढ़ा।

कुछ पास जाने पर उसने देखा कि वह तो सुनहरे पंखोंवाले प्यारी- सी एक छोटी बालिका थी। मिल्कन केरों, लोरी गाने अपनी कहानियों से सुनाती थी। अरव ही उसके सपना कि वह तो एक परी है। वह परी कुछ सोचाना लग रही थी और इधर-उधर घूम रही थी जैसे कुछ ढूँढ रही हो। अरव धीरे से परी के पास गया और हाथ जोड़कर प्रणाम किया। अरव ने अरव परिचय दिया और परी की परेशानी का कारण पूछा। परी ने कहा कि उसकी अंगूठी खो गई है। वह अंगूठी ही उसके परीलोक में प्रवेश का पासपोर्ट थी। अरव परी के साथ अंगूठी ढूँढने लगा। कुछ ही देर में अरव को अंगूठी मिल गई। अरव ने अंगूठी परी को दे दिया। परी उसे पकड़ बहुत खुश हुई। उसने अरव का धन्यवाद किया और उसको एक बदला दिया। अब उसको अपनी बीमार नानी की घाट जा गई। उसने यदी की ठीक होने का बदला मांगा। परी ने उसकी इच्छा पूरी कर दी। उसकी यदी ठीक हो गई। परी ने फिर मिलने का वादा कर उठ गई। अरव पहिले-से उसे जाली देखाता रहा। उसे विश्वास ही नहीं हो रहा था कि कुछ देर पहले वह परी से मिला था।

अलक्स अब्राहम 7 D





धन्यवाद